लेपालकपन 3

... –नेविल। सुप्रभात, कक्षा। हम यहां पर फिर वापस आकर बहुत आनंदित है कि आपको फिर से प्रभु यीशु के सर्व–पर्याप्त नाम में अभिनंदन करें। विश्वास करते हैं कि उसकी महिमा और आशीषो का एक महान सप्ताह रहा है।

2 अभी इस प्रातः आ रहा था, वहां मैं एक छोटे लड़के से मिला और उसने मुझे एक पटिया दी जिसमें रखवाले स्वर्ग दूत दो छोटे बालकों को देख रहे थे। और मैंने नहीं जाना कि वह डोल्टन था, छोटा डोल्टन लड़का।

3 और यहां कुछ सप्ताहों पहले, या एक कुछ... लगभग दो सप्ताह पहले, वहां एक पिता था, मसीही पिता, अपनी नवयुवती पुत्री के लिए पूछा जो कि अभी मसीही नहीं थी, जबकि वह प्रार्थना पंक्ति में खड़ा हुआ था। और पवित्र आत्मा ने सीधा–सीधा कहा, "मैं—मैं तुम्हें तुम्हारा बालक देता हूं।" और यहां आज प्रातः वह यहां है, बचाई हुई और प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा पाई हुई, मंच पर बैठी हुई है, जैसा कि पवित्र आत्मा ने कहा। और दूसरे बालक आसपास बैठे हुए हैं। मैं जानता हूं कि डोल्टन परिवार प्रसन्न है।

4 देखिए वह छोटी महिला वहां है जिन्होंने बीते रविवार बालक के लिए प्रार्थना करवाई थी, यद्यपि मरने पर था। मैं देखता हूं कि वह अब भी इस प्रातः हमारे साथ है, और इस बहन के लिए, हम बहुत प्रसन्न है। उन्होंने सोचा था कि कि इसकी मांसपेशियां में गड़बड़ है, और यह उसमें नहीं रहा। इसलिए हमें हम बहुत धन्यवादित हैं।

5 देखिए हमारे सारे मित्रगण। मुझे स्मरण है यह व्यक्ति मेरे पास विशेष साक्षात्कार के लिए आया था, एक बार चटाकुआ में—में, मैं विश्वास करता हूं यह था। मैंने आपके और आपकी पत्नी बच्चों के साथ नाश्ता किया था, मैं इसका विश्वास करता हूं... या आप और आपकी पत्नी, या बच्चे भी, हां। [एक भाई कहता है, "मिडिल टाऊन।"—सम्पा।] मिडिल टाऊन, में... परंतु हम सब... मैं वह नाम भूल गया, इसलिए मैंने इसे चटकुआ कहा। हां, श्रीमान। मेरे बहुत से भले मित्र।

6 भाई चार्ली कोक्स और बहन नेली यहां पर, जो कि मेरे लिए दूसरा घर है, और कुछ नहीं, परंतु तुम मेरे अपने बालक हो सकते हो। मैं वहां जाता हूं, यही जहां विश्राम के लिए मैं अधिकतर समय व्यतीत करता हूं, वह वहां है। वह गिलहरियों का सबसे बढ़िया शिकारी है केंटकी में है, जब मैं इन्डियाना में हूं। और इस प्रकार से इन्डियाना... और चार्ली, मैं तुम्हें बता रहा हूं मैं बस प्रतीक्षा कर रहा हूं, बहुत कुछ विचित्र सा अनुभव कर रहा हूं जैसे कि कुछ जुआरियों या पकड़ना चाहिए इसके पहले कि मैं वहां आरंभ करूं। मैं वास्तव में ऐसा अनुभव करता हूं जैसे मैं बहुत कुछ इसका सामना कर सकता हूं।

7 भाई परनेल... पर–... ओरनेट, दक्षिणी लूस–... दक्षिणी केरोलीना से। और भाई... अच्छा, और बहुत से विभिन्न यहां विभिन्न स्थानों से है, जो आज प्रातः हमारे साथ मिलने आए।

8 आप जानते हैं, हमारे पास यहां कोई नियमित सदस्यता नहीं है। हम बस एक दूसरे के साथ संगति करते हैं, जबकि यीशु मसीह का लहू, परमेश्वर का पुत्र, हमें हमारे सारे अधर्म से साफ करता है।

9 अब, हमारे पास शानदार अध्ययन है, बस महिमायुक्त। और हम लोग, कम से कम मैं... जानता हूं कि मैं आनंद ले रहा हूं, और मैं जानता हूं कि आप लोग भी आनंद ले रहे हैं। आज दिन में मैंने इसे आरंभ किया, कि इसके विषय में बोलूं या इस विषय में पढ़ूं, मैंने लगभग दो पद लिए और मैंने वचन में देखना आरंभ किया और, पहली बात आप जानते हैं, मैंने उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक कर लिया, अब भी चल रहा है।

10 और, आप जानते हैं, मैं समय लेना पसंद करूंगा जहां कि हम जहां कि—हम जहां कि हम इब्रानियों की—की पुस्तक को ले सके, और वैसे ही ले... ठीक है, अब जब गिलहरियों का मौसम आता है, जैसे सितंब... लगभग अक्टूबर... अगस्त, आप जानते हैं, और जब तक विदेश यात्रा पर नहीं जाता, प्रत्येक रात्रि इब्रानी की पुस्तक पर, या निर्गमन की पुस्तक। कैसे परमेश्वर, निर्गमन, मिस्र से कैसे निकाल कर लाता है, एक निर्गमन! हमारा बहुत ही सुंदर प्रतीक अब निर्गमन के लिए तैयार हो रहे हैं। यह है, ओह, यह एक ऐसी सुंदर बात है। सारा वचन एक साथ बंधा हुआ, और यह बड़ी कहानी है।

11 अब, इस प्रातः हम—हम अब भी पुस्तक में है... हम इफिसियों की पुस्तक के—के पहले तीन अध्याय लेने जा रहे हैं। इफिसियों को इफिसुस में पौलुस की पहली पत्री कलीसिया को ठीक स्थान पर रखने का यत्न कर रहा है। और थोड़ा सा पहले की हम ले, क्या हम एक और क्षण या दो निकाल सकते हैं प्रार्थना के लिए, इसके पहले कि हम करें।

12 ओह प्रभु, हमारे परमेश्वर, अब हम तेरी उपस्थिति में आ रहे हैं, ऐसे ही जैसे कि हम अयोग्य है, तौभी हम जानते हैं कि वहां बलिदान का लहू प्रतीक्षा कर रहा है, हमें सारी अशुद्धता से साफ कर रहा है, और पिता के सम्मुख उपस्थित कर रहा है, निर्दोष, त्रुटीरहित। नहीं कुछ नहीं जो कि हम इस योग्यता के लिए कभी करते। परंतु क्योंकि यीशु ने यह हमारे लिए कर दिया, हम नम्रतापूर्वक उसकी उपस्थिति में सिर झुकाते हैं और उसके नाम में, और आपसे मांगते हैं कि इस प्रातः हमारे मध्य में पवित्र आत्मा को भेजेंगे। और जैसा कि हम धर्म ज्ञानी नहीं या जानते हो कि वचन को कैसे क्रम से व्यवस्थित करें, परंतु केवल उत्साह से भरे और इस अनुभव के लिए धन्यवादित कि पवित्र आत्मा मेरे जीवन में कार्य कर रहा है, होने पाए कि यह हम सब को मिलकर आशीषित करें, जैसे कि हम आपका लिखा हुआ वचन पढ़ते हैं, ताकी यह हमारे लिए अनंत जीवन हो जाए। पिता, इसे ग्रहण करें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं और यीशु के लिए। आमीन।

13 अब मैं यहां कह सकता हूं, पहले, यदि किसी समय मैं कुछ कह सकता हूं जो कि आपके लिए सहमति योग्य ना हो, ठीक–ठीक ना बैठे, संभव है, आपके शिक्षा के लिए बिल्कुल गलत हो, या कुछ जिससे आप सहमत ना हो सके, मैं विश्वास करता हूं, पवित्र आत्मा कि वह इतना पक्का कर देगा और इतना मीठा जब तक कि उसमें ना रहे... बिल्कुल भी आपतिजनक ना हो। समझे? ताकि यह—यह प्रेम और संगति में से होते हुए होगा, यह यही है... इसका यही तरीका है।

14 और यह सब पर पिछले रविवार के उपदेश के साथ आरंभ हुआ, मैं विश्वास करता हूं, यह था पिछले रविवार प्रातः जैसा कि *अस्वीकृत राजा।* क्या अभी किसी के पास टेप है? मैं सोचता हूं उनके पास है, और आप ले सकते हैं यदि आप चाहे, *अस्वीकृत राजा।*

15 अब कुछ दिनों में और हम आरंभ करेंगे... मिडिल टाऊन, ओहियो में। हम उन सब को चाहते हैं जिनके—जिनके अवकाश उस समय है कि निश्चित हो कि हम से वहां पर मिले, क्योंकि हम मिडिल टाऊन, ओहियो में संगति के एक महान समय कि आशा कर रहे हैं। डॉक्टर सुलिवान अध्यक्ष है, मैं समझता हूं, कमेटी के। और वहां इसकी पांच रात्रि होगी, मैं नामधारियों की अंतरराष्ट्रीय बेदारी कलीसिया में एक—एक अतिथि वक्ता के रूप में प्रचार कर रहा हूं। और तब—तब उसके बाद, हमारी अपनी सभा आगे होगी। हमने इसे बारह तक प्रस्तुत किया है, परंतु इस समझ में कि हम अगले सप्ताह भी इसके बाद करते रहेंगे, केवल पवित्र आत्मा पर निर्भर करते हैं कि हमारी अगुवाई कैसे होती है। हम सब पवित्र आत्मा की अगुवाई चाहते हैं; जो पवित्र आत्मा कहे वही करे, तब इसे जल्दी करें।

16 और आत्मा की आज्ञा पालन करते हुए हम स्मरण रखें, एक महान पाठ जो हम स्मरण रखना चाहते हैं कि जल्दबाजी कभी ना करें। देखो, अपना समय ले, और विश्वास करें। यदि हमने परमेश्वर से कुछ पूछा है, याद रहे परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता है। वह अपने समय में करता है, जिस प्रकार से अच्छा हो, हमारे कार्य के लिए ठीक करता है। और यदि यह ऐसा नहीं है, तो फिर हम इस प्रातः क्या कर रहे हैं? हम क्या—क्या मसीहत का दावा कर रहे हैं? परमेश्वर... यदि यह परमेश्वर का वचन नहीं है, तो फिर यह सत्य नहीं है, तो हम लोगों के मध्य बहुत बेचारे हैं।

17 मैं यहां बहुत सो के संग अपना ह्रदय मिलाकर आनंदित हूं जो जानते हैं कि यह परमेश्वर का ना असफल होने वाला वचन है। तो इसका प्रत्येक वचन सत्य है, इसका प्रत्येक वचन, इसके प्रत्येक पक्ष। और परमेश्वर के अनुग्रह से जैसा कि मुझे उस देश को देखने का सौभाग्य मिला जहां की किसी दिन हम यात्रा करेंगे।

18 बीते कल (लोग नहीं जानते कि इस प्रकार की सेवकाई में निराशा का समय क्या होता है।), मैं वास्तव में निराश हो गया, और मैंने पत्नी से कहा, "मैं चाहता हूं मैं बस बढ़ता रह सकूं।"

उसने कहा, "तुम यह क्यों करते हो, बिल? "

मैंने कहा, "ओह, यहां मेरे साथ परेशानियां और बातें हैं।"

19 और तब ऐसा प्रतीत हुआ कि पवित्र आत्मा ने कहा, "क्या आप उनसे आगे बढ़ जाने का यत्न कर रहे? क्या तुम क्या तुम उन्हें धोखा देने का इतना कर रहे हो? समझे?

20 "नहीं," मैंने कहा, "नहीं मुझे उनके मुख के सामने सीधा खड़ा होने दें और उसका सामना।" देखिए, केवल... समझे?

21 यह इतना अच्छा है। ईमानदारी, सच्चाई, मैं यह आंखों देखी, गवाही के द्वारा कहता हूं इस जीवन के पूरा हो जाने के बाद, हम एक देश में प्रवेश करते हैं जो कि किसी भी चीज से दूर है जो कोई सोच सके। और यदि यहां कोई अपरिचित है, मैं विश्वास करता हूं कि आप... मैं परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आप मुझे हठधर्मी नहीं समझेंगे। मैं—मैं चाहता हूं, यदि कुछ भी ईमानदार होने के लिए है और सत्य बताने के लिए। और इसमें मेरी क्या भलाई है कि कुछ ऐसा बताऊं जो गलत हो, जबकि वहां इतना—वहां इतना है जो यहां इतना सत्य है? हम, हम क्यों इस विषय में गलत बताएंगे? समझे? यह, यह बस सत्य है।

22 और मैं विश्वास करता हूं, कि कोई आश्चर्य नहीं कि पौलुस तीसरे स्वर्ग तक उठा लिया गया, और उसने वे बातें देखी जो बोलने के लिए उचित नहीं। और एक दिन उसने कहा, "आंखों ने जो नहीं देखा, कानों ने जो नहीं सुना, या मनुष्य के हृदय में भी नहीं आया, वही जो परमेश्वर उनके लिए (रखा है) जो उससे प्रेम करते हैं।"

23 ओह, हम बस जी रहे हैं... हम जी रहे हैं हम यहां पर कूड़े के ढेर पर रहे हैं, जी रहे है, ऐसा ही है, गंदगी से—से सुलगते हुए, धुयें पर। जो... यहाँ तक यदि हमने स्वयं को इस से दूषित नहीं किया, हम इस में जी रहे है जहां कि धुआं पाप के अंगारों में से आ रहा है। एक बहुत ही बीमार करने वाली चीज मैं सोच सकता हूं, एक पुराने नगर का जलता हुआ कूड़ा। क्या आप कभी इसके पास गए? यह भयानक, धुयें की दूषित गंध सब प्रकार की गंदगी में से आ रही है। और—और आप उसमें सांस लेते हैं, और यह आपको घुमा देता है।

24 मुझे स्मरण है कि एक न्यू अलबनी जाना था, नीचे... वहां अठारहवीं गली, जहां पुराना कूड़े का खत्ता हुआ करता था, और मुझे वहां जाकर मिटरो को पढ़ने, और इकट्ठा करके लाना होता था। और मैं उस दिन घबराता था जब अठारहवीं गली से होकर निकलना होता, जब मुझे उसे

नीचे ले जाना होता था, क्योंकि इसकी बदबू भयानक होती थी। और तौभी, वहां मरे हुए चूहे और कुत्ते और हर चीज आप जानते हैं, वह सुलगता रहता और वह धुआं उसमें से निकल कर आता।

25 अब, तब भी, यही जो इस जीवन की तुलना हुई, उस उत्तमता से। बस एक सुलगता हुआ, चारों ओर से केवल पाप की बदबू, जैसा कि, यह कि आत्मिक रीति से बोला जा रहा था। परंतु, ओह, जहां कि वायु स्वतंत्रता से बह रही है, और हर चीज प्रिय है और शांति और आनंद और अनंत जीवन, बस उस नदी के पार। परंतु हम एक संग्राम में है, इसलिए हम इसे ना छोड़ दे और कहे, "चलिए जल्दी–जल्दी करें और वहां पहुंच जाए," हम हर एक को अपने साथ ले आए जिसे हम ला सकते हैं। जी हां।

26 और अब इन पाठों का उद्देश्य, उनका लंगर है वे जो पहले ही इस देश में आ चुके हैं। इस अध्यन का उद्देश्य, यह इफिसियों की पुस्तक, कलीसिया को उचित स्थान पर स्थिर करना जहां यह पूर्ण रूप से मसीह में स्थिर है। यह पुराने नियम की प्रतिछाया है और यहोशू की पुस्तक, जहां यहोशू ने बंटवारा किया। पिछले रविवार हमने इसे देखा था, जहां यहोशू ने प्रत्येक व्यक्ति को भूमी बाटी। और उसने यह प्रेरणा में होकर किया।

27 मूसा किस प्रकार से... लोगों को मिस्त्र से निकाल कर लाया, लहसुन, गन्दना, बाहर और उन्हें स्थान दिया जहां के लिए परमेश्वर चार सौ वर्षों पश्चात प्रतिज्ञा की थी... याने चार सौ वर्षों पहले कि वह उन्हें उस स्थान में लेकर आएगा, एक अच्छी भूमि, दूध और शहद का बहाव के साथ। और मूसा ने इस्राएल के बालकों को उस देश तक मार्गदर्शन किया, परंतु वहां भीतर ना ले गया।

28 और यीशु, लोगों को, दिव्य में जो... हमसे प्रतिज्ञा की गई है... एक पवित्र आत्मा, जब से आरंभ हुआ है, यीशु हमें प्रतिज्ञा तक मार्ग दर्शन करके लाया। परंतु पवित्र आत्मा यहोशू के समान आया, कि पार ले जाए और अगुवाई करें और निर्देश और भूमि को अधिकार में ले या कलीसिया को अधिकार में ले। आधार रूप में, हम पाते हैं, तब, वह हमारे में...

29 अब यहां जहां कि, संभव है लोग सोच सकते हैं कि मैं असभ्य हूं और भाइयों से असहमत होने का यत्न कर रहा हूं। मैं नहीं कर रहा हूं! परमेश्वर मेरा न्यायी हो, कि मैं नहीं। समझे? मैं किसी चीज की ओर निर्देशित करने का यत्न कर रहा हूं जो कि सत्य है। समझे? हमने मनुष्यों के अगुवे चुन लिए

हैं, बजाए अगुवाई के, अगुवाहे, पवित्र आत्मा की अगुवाई। हमने मनुष्यो को चाहा है कि हमारा भाग ठहराए और हमारा मार्गदर्शन करें, नामधारी जैसे कि मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, लूथरन, चर्च ऑफ़ क्राइस्ट, पेंटीकोस्टल, और विभिन्न नामधारी, एक संस्था बनाएं, एक उदाहरण के समान, और हम उसका अनुकरण करें। परंतु हम...

30 बाईबल में कहीं नहीं है हमें ऐसा करना है। वहां पवित्र वचन का कोई एक विषय नहीं है, परमेश्वर की समस्त बाईबल में, जहां उसने कभी कलीसिया को संस्थागत किया हो या कहीं उसने कभी संस्था के लिए बोला हो, बाईबल में एक स्थान में भी नहीं है। परंतु सदा इसके विरोध में है। वह हमें नहीं चाहता कि हम संसार की चीजों के समान हो। वह हमें विचित्र चाहता है, एक ओर रखता है।

31 मेरा यहां "मूर्खता," से अर्थ नहीं है, जैसे की हम कहते हैं। मेरा अर्थ बुलाए हुए लोगों से है, ओह, एक आशीषित पवित्र राष्ट्र, जीवित जीवन जो निंदा से ऊपर है, कार्य कर रहे हैं, हम में व्यवहार कर रहा है जैसा वह चाहे, हम में कार्यरत है, क्योंकि हम उसकी कारीगरी है, मसीह यीशु में भले कामों के लिए सिरजे हुए।

32 अब, बुधवार रात्रि, आप में बहुत सारे बुधवार रात्रि को नहीं थे, परंतु हम उसमें गए... मैं विश्वास करता हूं कि यह 3रा पद या... नहीं, यह 5वा पद है।

... *हम उसके लेपालक,* या तीन चित स्थान पर लोगों को रखना...

33 परमेश्वर कैसे, अपने लोगों को स्थान में रख रहा है, और जब परमेश्वर एक को स्थान में रखता है, तब, ओह सारी की सारी कलीसिया उस एक के समान होना चाहती है, उसी प्रकार की बातें होती है, वही चीज करती है। हम भिन्न प्रकार से काटे गए हैं, हम भिन्न बने है, हमे भिन्न स्वभाव बनाया गया है, और हमें भिन्न–भिन्न स्थान पर रखा गया है, प्रत्येक अलग–अलग कार्य के लिए; हो सकता है एक छोटे प्रकार के कार्य के लिए, दूसरे बड़े कार्य के लिए। मैं विश्वास करता हूं कि यह दाऊद था या कोई एक भविष्यवक्ता, अभी मुझे स्मरण नहीं है, कहा, "बजाए दुष्ट के ढेरों में रहने से कि मैं प्रभु की डेवडी पर पड़ा रहना... कि डेवरी में वास करना... अधिक पसंद करूंगा।"

34 अब हम बस लेपालक पर एक सेकंड के लिए रुकना चाहेंगे, 5वा पद, जहां तक हो सकेगा हम इस पर आने का यत्न करेंगे। परंतु अब विषय वस्तु को स्मरण रखें, यह कुल मिलाकर उचित स्थान पर स्थापित करना। कितने इसे समझते हैं? हम आपको एक ही वचन के साथ यह कहते है सुने: "यीशु मसीह की स्थान में रखना मसीह में स्थान में रखा जाना जहां कि पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन कर रहा है।" आप उसी स्थिति में है, अब हम समझ गए, देखिए यथा स्थान पर हमें स्थान पर रखा जाना, इफिसियों की पुस्तक को यह करना है।

35 और इस सिखाने वाले शिक्षक पर ध्यान दें, पौलुस पर। पहली चीज जो वह करता है, गिरावट के सारे विचारों को बाहर पछाड़ देता है। कहीं के भी सारे विचारों को पछाड़ देता है "आज मसीही होता हूं और कल मैं गिर जाता हूँ, और अगले दिन परमेश्वर मुझे दोषी ठहराता है और अगले दिन मैं फिर वापस आ जाता हूं।" यह निर्थक बात है! अब यह... यह पुस्तक सुसमाचार फैलाने की शिक्षा को संबोधित नहीं है, सुसमाचार फैलाने को उपदेश। हम नहीं करते... मैं कार्यक्षेत्र में इसे नहीं छूता। मैं इसे कलीसिया के पास लाता हूं, क्योंकि पौलुस ने संत को संबोधित किया है, वे जो बुलाए गए और सुरक्षित किए गए, और भरे गए और एक ओर रखे हुए हैं, और पवित्र आत्मा में है, पहले ही कनान के देश में है। पहली बात, वह उन्हें यह बताना चाहता है, अपने मस्तिष्क से यह बात निकाल दो कि तुम नष्ट होने जा रहे हो और आप *यह* करने जा रहे हैं और आप *इससे* भयभीत हैं। किसी भी बात से भयभीत ना हो, क्योंकि वह आपको बताने का यत्न कर रहा है कि आप कहां पर हैं, आप कौन हैं, आप कैसे खड़े हैं।

36 आप गलत कार्य कर सकते हैं, और हर बार आप कुछ ना कुछ गलत करते हैं आप इसका भुगतान करने जा रहे हैं। जी हां, श्रीमान, आप वहीं काटेंगे जो बोयेंगे! परंतु इसका आपके उद्धार से कुछ भी लेना देना नहीं। जब आप परमेश्वर के आत्मा के द्वारा जन्मे, तो आपके पास अनंत जीवन है और वैसे ही नहीं मर सकते जैसे परमेश्वर नहीं मर सकता। आप परमेश्वर का भाग है, आप परमेश्वर के पुत्र हैं।

37 मैं एक ब्रंहम जन्मा था। अब मेरा कुछ भी नाम बिगाड़ दे सकते हैं। कोई दूसरा नाम, परंतु एक भी कम नहीं करेंगे, मैं अब भी ब्रंहम हूं। मैं ब्रंहम जन्मा था, सदा ब्रंहम रहूंगा। मैं होऊंगा... संभव है मैं किसी दिन कुरूप हो जाऊ, बाए से झुक जाऊं टेड़ा हो जाऊं, और इतना टूट जाऊं कि

यहां तक कि पशु दिख पड़ू, परंतु मैं अब ब्रंहम रहूंगा! क्यों? ब्रंहम का लहू मेरे अंदर है।

38 यही, जो आप है और जब तक परमेश्वर ने आपको बनाया है... अब स्मरण रखें, मैं उनसे बात नहीं कर रहा हूं जो मसीह के बाहर है। मैं उनसे बाते कर रहा हूं जो मसीह में है। आप मसीह में कैसे सम्मिलित होते हैं? "एक ही पवित्र आत्मा के द्वारा!" बड़े अक्षर एस—पी—आई—आर—... जिसका अर्थ, "एक ही आत्मा के द्वारा हम सबने एक ही देह में बपतिस्मा लिया।" हम कैसे हैं... हम इसमें कैसे आते हैं? पानी के बपतिस्मे के द्वारा? तुम बैपटिस्टो मैं तुम लोगों से कैसे असहमत हूं और आप चर्च ऑफ़ क्राइस्ट। पानी के बपतिस्मे के द्वारा नहीं, किसी भी प्रकार से नहीं! पहला कुरुन्थियो 12, कहा, "एक ही आत्मा के द्वारा, पवित्र आत्मा, हम उस देह में लाएं गए।" और उतने ही सुरक्षित है जैसे वह देह सुरक्षित है। परमेश्वर... उसने इसकी प्रतिज्ञा दी है।

39 परमेश्वर उसका फिर से कैसे न्याय कर सकता है, जब वह कलवरी पर गया? गुलगता तक जा रहा, वह पीटा गया था, कुचला गया था, वह चंगा ना हो सका, वह कठिनाई से एक शब्द भी ना बोल सका। कारण क्यों? उसके ऊपर पापों का संसार था। इसलिए नहीं क्योंकि वह एक पापी था, परंतु "वह पाप बन गया था" मेरे और आपके लिए। सारे संसार के पाप, आदम से लेकर उसके आगमन तक, उसके कंधों पर थे। और परमेश्वर अपने पुत्र को सजा नहीं दे रहा था। वह पाप को दंड दे रहा था। देखिए यह कितना भयानक था? वह एक आराधना कर रहा था। वह उन सब के बच निकलने के लिए मार्ग तैयार कर रहा था, जिनको परमेश्वर ने अपने पूर्वज्ञान से जाना, कि वे आएंगे। हम इसे कुछ मिनटों में लेने जा रहे हैं।

40 अब तक, जब आप "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने उस देह में बपतिस्मा लिया, एक देह में जो कि मसीह है," और हम सदा के लिए सुरक्षित है।

41 अब, यही जहां यह अद्भुत प्रतीत होता है, विशेषकर आरमिनियन विश्वासी लोगों को, कि वे लोग... उन्हें कुछ करना है कि स्वयं को विशेष दक्षता तक लाए, या किसी दक्षता गुण कुछ। यह एक समय में दो चीजों के द्वारा कैसे हो सकता है? यह या तो अनुग्रह के द्वारा या कार्यो के द्वारा। एक

से यह एक चीज के द्वारा नहीं हो सकता, ये दो विभिन्न चीजों के द्वारा; यह एक ही के द्वारा होना है। यह...

42 मैं, मेरा, मैं सिवाए परमेश्वर के अनुग्रह को छोड़ और कुछ नहीं देख सकता। यह मेरी रूप सज्ञा है। मैंने सदा अनुग्रह में विश्वास किया है। मैं सारा का सारा अनुग्रह में हूं, बस यही बात है। यह मैं—मैं नहीं हूं... यहां तक कि मेरे जीवन में, जब मैं एक लड़का था, मैं कुछ नहीं देख सका, केवल अनुग्रह, अनुग्रह। वे कहते, "मैं—मैं करूंगा... तुम मेरी पीठ खुजाओ मैं तुम्हारी खुजाऊंगा।" यह भयंकर भाव है। परंतु मैं चिंता नहीं करता, चाहे आप मेरी पीठ खुजाए या नहीं, यदि आपको आवश्यकता है, जो भी हो मैं खुजाऊंगा। देख, अनुग्रह। जी हां, श्रीमान। देखिए, अनुग्रह प्रेम के द्वारा कार्य करता है। यदि आपको इसकी आवश्यकता है! जो भी हो, यदि आपने मेरे लिए कभी कुछ नहीं किया, मैं—मैं मुझे आपसे कुछ लेना देना नहीं, यदि आपको इसकी आवश्यकता है जो भी है मैं करूंगा। अनुग्रह! क्योंकि आपको इसकी आवश्यकता है!

43 मुझे बचने की आवश्यकता थी। वहां कोई मुझे बचा नहीं सकता था। कुछ नहीं था जो अपने विषय में कर सकता था, मैं स्वयं को भी नहीं बचा सकता था। परंतु मुझे बचने की आवश्यकता थी, क्योंकि मैंने एक परमेश्वर में विश्वास किया था। और परमेश्वर ने अपना पुत्र भेजा, और पापमय शरीर की समानता में बनाया, कि मेरे स्थान पर दुःख उठाए, और मैं केवल अनुग्रह के द्वारा ही बचाया गया। अनुग्रह मैं कुछ भी नहीं कर सकता था, या आप करते कि अपने आप को बचाते। और जिन्हें उसने पहले से जाना, पृथ्वी के रखने से पहले...

44 हम इसमें थे, पिछले बुधवार। हम परमेश्वर को उसके एलहा, एलोहिम में चित्रित किया, और दर्शाया कि वह स्वयं विधमान था। परंतु उसके भीतर पितृत्व था, उसके भीतर भिन्न विशेष योग्यता थी, जैसे की एक बचाने वाला, जैसे कि एक चंगा करने वाला। यह सब परमेश्वर में था, और परमेश्वर स्वयं विद्यमान था। परंतु यह होने के नाते वह एक बचाने वाला था, वह था... उसके पास स्वर्गदूत नहीं थे, उसके पास कुछ नहीं था। वहां कुछ भी नहीं था केवल वह स्वयं, वह स्वयं विद्यमान था। कुछ भी अस्तित्व में नहीं था केवल परमेश्वर।

45 परंतु यह होने के नाते वह परमेश्वर था, तो फिर कुछ होना चाहिए था कि उसकी आराधना करें, क्योंकि उसने आराधना से प्रेम किया। और उसके अपने ही प्राणी सिरजे गए प्राणी उसकी आराधना के लिए। अब, थोड़ी देर के लिए, हम इस पर फिर ध्यान करें, अब थोड़ी देर के लिए हम सारी बातों को नहीं लेंगे, परंतु आप इसे टेप पर पाएंगे। परंतु तब क्योंकि वह परमेश्वर था, उसने स्वर्गदूत बनाए, और स्वर्ग दूतों ने उसकी आराधना की। और स्वर्गदूत अब भी उसकी आराधना करते है। क्यों, स्वर्ग दूत जो परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े होते हैं उनके छह जोड़ी पंख होते हैं, पंखों की जोड़ियां, छह पंख। दो वे अपने मुंह पर रखते हैं, दो अपने पैरो पर और दो से उड़ते हैं, उसकी उपस्थिति में, दिन और रात, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु परमेश्वर सामर्थी चिल्ला रहे हैं।" यही वह जो पवित्र शास्त्र बताता है। उन्होंने उसकी आराधना की, अब उसने अपनी आराधना के लिए कुछ सिरजा।

46 तब उसके भीतर बचाने वाले का एक गुण था। कैसे उनमें से कोई प्राणी, जब कोई पाप नहीं था या कोई पाप का विचार नहीं था, कैसे उनमें से एक भी नष्ट हो सकता था? यह नहीं हो सकता था। इसलिए कुछ तो बनाना ही था जो नष्ट हो सके, ताकि वह बचाने वाला हो सके। उसके भीतर एक चंगा करने वाला था। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह एक बचाने वाला है? क्या आप विश्वास करते हैं वह चंगा करने वाला है? परंतु क्या हो यदि बचाने और चंगा करने के लिए कुछ ना हो? देखिए, कुछ तो इस प्रकार का बना होना चाहिए।

47 इसलिए अब, उसने इसे इस प्रकार कभी नहीं बनाया, परंतु उसने मनुष्य को स्वतंत्र आचरण का प्राणी बनाया, "यदि तुम *इसे* लेते हो, तुम जीवित रहते हो यदि आप *इसे* लेते हो आप मरते हैं।" और प्रत्येक मनुष्य जो इस संसार में आता है वह अब भी इसी चीज के साथ व्यवस्थित है। परमेश्वर ने, अपने पूर्व ज्ञान से कि कौन होगा और कौन नहीं होगा। यदि परमेश्वर...

48 बीते कल मुझसे धर्म ज्ञानी के द्वारा प्रश्न पूछा गया, जो सभा में उपस्थित था या टेप सुन रहा था, कहा, "एक प्रश्न!" उसने कहा, "तो फिर परमेश्वर सर्वव्यापी है? तब," उसने कहा, "वह सब जगह हो सकता है? "

49 मैंने कहा, "वह उस प्रकार से सर्वव्यापी नहीं है जैसा कि पवित्र वचन बताता है। वह एक जीवधारी नहीं हो सकता और सब जगह उपस्थित रहे। यदि वह सर्वव्यापी है, तो फिर क्यों पवित्र आत्मा के लिए आप प्रार्थना करते हैं? यदि वह सर्वव्यापी है, वह हर दरार, कोने, हिम दरार, हर कोशिका, तन्तु, हर चीज वहां है।" मैंने कहा, "उसने क्यों मूसा को ढूंढा, यदि वह सर्वव्यापी है, अंत में? क्यों वह अदन की वाटिका में ऊपर नीचे, चिल्लाता हुआ दौड़ा, 'आदम, आदम, तू कहां है? ' यदि वह सर्वव्यापी है? "

50 वह सर्वव्यापी है क्योंकि वह सर्वज्ञ है। वह सब कुछ जानता है क्योंकि वह अनंत है, अनंत होना उसे सर्वव्यापी बनाता है। सर्वव्यापी होना उसे अनंत होना, तब वह स्वर्ग में बैठता है, वह एक स्थान में रहता है। क्योंकि वह एक जीवन है।

51 परंतु, अनंत होने के नाते, तब वह सारी बातों को जानता है। हर बार जब डांस अपनी पलक झपकता है। वह जानता है, प्रत्येक मधुमक्खी को जानता है कहां से वह छत्ते के लिए शहद लेने जाती है। वह प्रत्येक गौरय्या को जानता है जो पेड़ पर बैठती है। वह आपके मस्तिष्क के हर विचार को जानता है, क्योंकि वह अनंत है और सर्वज्ञ है। यही है, वह केवल अनंत ही नहीं है, वह सर्वज्ञ है, वह सब कुछ जानता है। परंतु वह एक जीवन है, परमेश्वर जीवन है, और इस जीवन से बाहर वह उन्हें लाना आरंभ करता है।

52 और पाप, मैंने उस रात्रि कहा, पाप सृष्टि नहीं है। सिद्धता को छोड़ो और कुछ सृष्टि नहीं है। परमेश्वर ने हर अच्छी चीज बनाई। पाप सृष्टि नहीं है। कहा, "अच्छा है, यही पाप की सृष्टि है।" आप यह सुन चुके हैं। परंतु यह गलती है। पाप... केवल एक ही सृष्टिकर्ता है, वह परमेश्वर है। परमेश्वर पाप की सृष्टि नहीं कर सकता, क्योंकि वह पवित्र है इसे बनाने के लिए उसमें कुछ भी नहीं है। पाप एक विकृत रूप है; ना की सृष्टि, परंतु यह विकृत रूप है। व्यभिचार धार्मिकता का विकृत कार्य है। एक झूठ सत्य को गलत बताया। कोई भी पाप, कोई भी पाप धार्मिकता को विकृत किया गया।

53 इसलिए अब, परमेश्वर व्यवस्थित करता है। उसने पहले ही स्वयं को प्रगट कर दिया है, कि वह परमेश्वर है। उसने स्वयं को पहले ही प्रकट कर दिया है कि वह बचाने वाला है; मनुष्य नष्ट हो गया था और उसने उन्हें बचाया। वह स्वयं को पहले ही प्रगट कर चुका है, एक चंगा करने वाले के

समान। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि लोग क्या कहते हैं कि वह है; और वह है, जो भी हो, एक सा है। वह चंगा करने वाला, वह एक बचाने वाला, वह परमेश्वर है, वह अनंत है। और उसका एक उद्देश्य है। और उसका उद्देश्य आरंभ में, एक सृष्टि को बताने का था जो उससे प्रेम करेंगी और उसकी आराधना करेगी।

54 और उसने जीवधारियों को बनाया, और मनुष्य गिर गए। और तब परमेश्वर ने अपनी अनंतता से समय कालों की धारा में से होकर देखा और प्रत्येक मनुष्य को देखा जो बच जाएगा। प्रत्येक मनुष्य उसने इसे अपने ज्ञान... पूर्वज्ञान के द्वारा जाना। इसलिए वह, पूर्वज्ञान के द्वारा जान गया कि कौन बचेगा और कौन नहीं बचेगा, वह पहले से ही ठहरा सकता था। इसलिए अंततः वचन इतना खराब वचन नहीं है, क्या है? वह पहले से ठहरा सकता था, क्योंकि वह जानता था कि कौन होगा और कौन नहीं होगा। इसलिए, जो होगा उस व्यवस्थाक्रम में उसे पकड़ने के लिए, उसे उनके पापों के एक—एक अनुकूलता में बनाना ही था। ओह, यदि हम कर सके, तो हम इसे लेना चाहते हैं, नीचे के थोड़े से पद। उसने हमें अनंत जीवन के लिए ठहराया, यह जानते हुए कि वे कौन जो सारी चीजों को एक ओर रख देगे, और मतलब नहीं कि यह संसार के बालकों को कितना भिन्न दिखाई पड़ेगा, उनके लिए इसका कोई अर्थ नहीं होगा, क्योंकि वे परमेश्वर के बालक होगे। और उसने उन्हें बुलाया है।

55 और उसने यीशु को भेजा, ताकी उसका लहू एक छुटकारा हो सके, छुटकारे का लहू, एक प्राश्चित बनाए या एक—एक सकारने वाला, या एक शुद्धिकर्ता। एक निरंतर शुद्धिकरण की प्रक्रिया... एक बेदारी में केवल एक बार नहीं, परंतु "सदा जीवित रहने वाला, बिचवाई कर रहा है," ताकि मसीही दिन और रात शुद्ध रह सके। यीशु मसीह का लहू जो क्रूस पर एक—एक सकारने वाला, वहां है वहां... परमेश्वर की उपस्थिति में, जो हमें निरंतर शुद्ध रखता है, दिन और रात, सारे पापों से। और हम उसमें सुरक्षित छिपे हुए हैं। कैसे अंदर छिपे हैं? पवित्र आत्मा के द्वारा, यीशु मसीह की देह में, और सुरक्षित। "वह जो मेरे वचन सुनता और मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है और कभी भी न्याय में नहीं होगा, परंतु मृत्यु को पार कर जीवन में प्रवेश कर गया।" अब कोई न्याय नहीं! मसीही कभी भी न्याय में नहीं आता। उसके लिए मसीह गया है। मेरा वकील मेरे स्थान पर खड़ा हुआ। उसने मेरा मुकदमा लड़ा, कि मैं

अज्ञानी था। उसने पिता को बताया कि मैं योग्य नहीं था, कि मैं अनभिज्ञ था। परंतु उसने मुझ से प्रेम किया और उसने मेरा स्थान लिया, और मेरा मुकदमा लड़ा, और आज मैं स्वतंत्र हूं! जी हां, श्रीमान। और उसने अपना लहू बहाया, कि हमारे पापों के लिए चढ़ाए।

56 स्मरण रखें गत बुधवार रात्रि, मसीही नहीं... मसीही पाप करते हैं, परंतु एक पापी पाप नहीं कर सकता। एक पापी पाप नहीं करता, क्योंकि वह पापी है। वह तो केवल एक पापी पाप के साथ आरंभ हुआ, और वह यही है। यहां, यह किताब का वो—वो पीछे का भाग, यह काला है, इसमें कितना काला है? यह सारा का सारा काला है। इनमें जरा भी सफेद नहीं है, यह काला है। आप कहते हैं, "*इतना* यहां पर है।" नहीं, यह नहीं है, सारी चीज काली है। यह सारा का सारा काला है। इसी प्रकार से पापी है। वह तो आरंभ से ही दोषी है। अच्छा, आप कहते हैं, "यदि वह व्यभिचार करें तो उस विषय में क्या है? यदि वह किसी महिला को हर ले तो क्या है? क्या हो—क्या हो यदि वह—वह जुआ खेले? क्या हो यदि वह किसी को गोली मार दे? " यह हमारा कार्य नहीं है। यह हमारा कार्य नहीं है, उसकी चिंता करने के लिए हमारे पास कानून है। हम सुधारने वाले नहीं हैं, हम सुसमाचार के प्रचारक है। उसने जो किया उसके लिए हम उसे दोषी नहीं ठहराते, हम उसे व्यभिचार करने के लिए दोषी नहीं ठहराते। हम उसे दोषी ठहराते हैं क्योंकि वह एक पापी है! यदि वह एक मसीही है, तो वह यह नहीं करेगा। यह ठीक बात है। यदि वह बदल गया है, तो वह यह नहीं करेगा। परंतु क्योंकि वह एक पापी है, यही उससे यह करवाता है।

57 यही जहां यह खटखटाता है वो—वो कानूनी आश्रय से बाहर हो जाता है। जी हां, श्रीमान भाई, मैं आपको बताऊं, "यह कार्यों के द्वारा नहीं, परंतु अनुग्रह के द्वारा हम बचाए गए हैं, और उस विश्वास के द्वारा।" जी हां, श्रीमान। अब, मैं विधीवादी भाइयों को दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, वे मेरे भाई हैं। और वे भी बस वहां वैसे ही होंगे जैसे बाकी के वे वहां पर होंगे, क्योंकि परमेश्वर ने अपनी कलीसिया को वहां होने के लिए अभिषिक्त किया है। परन्तु बस एक बात, आप—आप लोगों को इतना तोड़ देते हैं, वे नहीं जानते कि क्या। "आज, ठीक है, संभव है यदि मैं—मैं... " उन्हें केवल मालूम होने दे; जब तक वे संसार के लिए लयलित है, वो वहां आरंभ से नहीं है।

58 मैं अपनी पत्नी के लिए सच्चाई से इसलिए नहीं जीवन बिता रहा हूं क्योंकि वह मुझे तलाक दे देगी। मैं अपनी पत्नी के लिए इसलिए सच्चा हूं क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं। हमने एक वैद्य स्थिति ली है, कि हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं। पहले, इसके पहले कि यह वहां हो सके, यह एक प्रेम ही नहीं होना था। मैं इससे प्रेम करता हूं। यदपि मैं विश्वास करता हूं, यदि मैं कुछ गलत कर दूं तो वह मुझे क्षमा कर देगी, और फिर भी जो भी हो मैं यह नहीं करूंगा। मैं उससे प्रेम करता हूं।

59 मसीह के साथ इसी तरह से है। यदि मैं—यदि मैं जीवित हूं... मैं पच्चास का हूं, यदि मैं नब्बे या सौ वर्षों तक जीवित रहूं और अगले पच्चास वर्ष और प्रचार के लिए मिले, और मैंने कभी भी एक बार प्रचार नहीं किया, कि जाकर नदी के किनारे बैठ जाओ, जो भी हो, मैं बच गया। परमेश्वर ने मुझे अपने अनुग्रह से बचाया है, किसी भी बात के योग्य नहीं, मैं यह कभी नहीं कर सकता था, क्या किया, या कुछ भी। मैं प्रचार कर सकता हूं क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं और उसके लोगों से प्रेम करता हूं। और मैं, यही कारण है मैं जानता हूं मैं मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर गया, क्योंकि में उनसे प्रेम करता हूं जो उनके पीछे–पीछे जाता हूं। कोई मतलब नहीं कि वे किस दशा में हैं, मैं उनके पीछे जाता हूँ। जो भी हो उन्हें जाकर ले लो, उन्हें खींच लो। यदि सेवक सहमत ना हो और दूसरे सहमत ना हो, और नामधारी सहमत ना हो, यह मुझे नहीं रोकता। कुछ है! यह उसे नहीं रोक पाया! वह ठीक अविश्वास के मध्य में आता है, और इसने उसे नहीं रोका, जो भी हो वह सीधा आगे बढ़ गया। हम यही करते हैं, जाकर उन्हें ले लेते हैं, जो भी हो पकड़ लेते हैं। कोई मतलब नहीं, पहुंचो, पकड़ो, अपनी सारी शक्ति से पकड़े रहो। आप नहीं जानते वे कौन है। उन्हें बताओ। यह प्रेम के कारण। ना कि इस कारण कि "मुझे करना है," परंतु क्योंकि मैं उनसे प्रेम करता हूं, क्योंकि आप प्रेम करते हैं।

60 कहे, "मुझे यह ठीक करने के लिए जाना चाहिए उस महिला के संग, परंतु, मैं आपको अभी बता दूं, मैं समझता हूं क्योंकि मैं आराधनालय जाता हूं मुझे यह ठीक करने के लिए जाना चाहिए।" नहीं, आप ही है वह जिसे पहले ठीक होना है। समझे? समझे? यदि आपके ह्रदय में परमेश्वर का प्रेम नहीं है, कुछ दूसरे आपको बताएंगे कि आप गलत है, तब आप जाए—तब आप परमेश्वर के पास जाकर ठीक कर ले। तब आप अपने पड़ोसी के साथ ठीक हो जाएंगे।

61 यीशु ने यही बात सिखाई। उसने कहा, "यदि तुम वेदी पर आओ, और वहां पर... स्मरण आए की तेरे पड़ोसी के विरोध में कुछ है या भाई के, तो पहले जाकर उसके साथ बात को ठीक कर।"

62 अब, अब उन आने वाले युगों में। हमारे पास बुधवार रात्रि थी, "वे प्रगटीकरण।" हम इस प्रातः फिर ले रहे हैं, "परमेश्वर के पुत्रों के प्रगटीकारण में।" दूसरे शब्दों में, परमेश्वर प्रतीक्षा कर रहा है। और तब अंत समय में जब हम सब उसके सामने खड़े होते हैं। स्वर्गदूत भटके हुए रहे थे। वे नहीं जान पाएंगे कि परमेश्वर की आशीषो का आनंद कैसे ले, जैसे कि हम लेते हैं, वे कभी भी खोए नही। परंतु मैं जानता हूं कि मैं कहां से आया हूं, मैं जानता हूं कि मैं किस चट्टान से गढ़कर निकाला गया हूं, एक पापी। आप जानते हैं कि आप कहां से खोद कर निकाले गए हैं। अब जब हम ढूंढ लिए गए हैं, तब हम परमेश्वर के सामने खड़े हो सकते हैं। ओह, क्या ही दिन जो कि होगा!

63 तब लेपालक पद, स्थान पर स्थिर करना। अब, परमेश्वर यह कार्य कर रहा है। और अब यदि मैं आपको यह समझा सकूं, तब हम इसको आरंभ करेंगे अब 5वा पद, मैं इसे पढ़ना चाहता हूं।

> *उसके लेपालक पुत्र होने के लिए हमें यीशु मसीह के द्वारा, अपने लिए पहले से ठहराया जो उसकी अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार है,*

64 यह परमेश्वर की इच्छा है कि अपनी इच्छा पूरी करें, लेपालक पद, पर रखना। अब वह क्या कर रहा है? अपनी कलीसिया के सही स्थान पर रख रहा है। पहले, उसने अपनी कलीसिया को बुलाया, मैथोडिस्ट, प्रेसबीटेरियन, लूथरन, बैपटिस्ट, उन्हें बुलाया। तब उसने क्या किया? पवित्र आत्मा को भेजा और उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया।

65 पेंटीकोस्टल लोगों मैं यह चाहता हूं कि आप अपने ह्रदय से निकाल दो। पेंटीकोस्ट नामधारी नहीं है; पेंटीकोस्ट एक अनुभव है। यह पवित्र आत्मा है। यह एक संस्था नहीं है। आप पवित्र आत्मा को संस्थागत नहीं कर सकते। वह इसके लिए नहीं खड़ा होगा। अब आपके पास एक संस्था है जिसे आप कहते हैं, परंतु पवित्र आत्मा इसके बाहर चला गया और आपको जहां आप बैठे हैं, बैठे रहने दे, और आगे बढ़ता चला जाए। समझे? पेंटीकोस्टल एक संस्था नहीं है; पेंटीकोस्टल एक अनुभव है।

66 और तब परमेश्वर ने अपने बालको को, पवित्र आत्मा के द्वारा नया जन्म दिया। जब उन्होंने स्वयं को नाजरीन में से होते हुए, पिलग्रिम होलीनेस के द्वारा शुद्ध किया, वे समीप आए। तब पेंटीकोस्ट के अनुभव आए, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे पर वरदानो पुन: वापस आना। वे अन्य भाषाओं के बोलने और अन्य भाषा के अनुवाद के साथ चले गए, और चंगाई और आश्चर्यकर्मों और चिन्हों, और आश्चर्य के वरदान दिए गए उनके साथ रहना आरंभ हो गए। अब वे बालक है, वे परमेश्वर के बालक है। वे मसीह में यथा स्थान पर है। वे जन्म के द्वारा बालक हो गए। और नया जन्म और वार्तालाप स्वयं ही पवित्र आत्मा है।

67 आपका मतपरिवर्तन भी नहीं हुआ है जब तक आप पवित्र आत्मा ना पा ले। पवित्र वचन ने यही कहा है। यीशु ने पतरस को बताया, किसी से पूछो, अपना पवित्र शास्त्र पढ़ो, वह प्रभु यीशु पर विश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरा, अनुयायी हो गया, एक प्रेरित। यीशु ने उसे राज्य की कुंजियां दी। और यूहन्ना 17:17, उसने उन्हें पवित्र किया, उन्हें सामर्थ दी, उन्हें बाहर भेजा, प्रेत आत्माएं बाहर निकली, और आदि–आदि, उन्हें पवित्र किया। "पिता तू अपने सत्य से उन्हें पवित्र कर। तेरा वचन सच्चा है। मैंने उनके कारण स्वयं को पवित्र किया है।"

68 यही वे सब से मीठे वचन है जो मैंने कभी सुने। "पिता, मैं उनके कारण स्वयं को पवित्र करता हूं।" क्या आप जानते हैं कि उसके पास अधिकार था कि उसका एक घर हो? वह एक मनुष्य था। आप जानते हैं क्यों उसके पास अधिकार था कि एक पत्नी रखें? वह एक मनुष्य था। उसके पास इन सब चीजों के लिए अधिकार था, परंतु उसने कहा, "पिता, मैं स्वयं को उनके लिए पवित्र करता हूं। मैं स्वयं को पवित्र करता हूं।"

69 बीते कल मैंने एक छोटे प्रचारक से बात की, मैं उसके लिए राजमार्ग पर कुछ रात्रियों के लिए प्रचार करने जा रहा हूं। और मैंने उससे कुछ विशेष बातों को पूछा, उसने कहा, "जी हां, भाई ब्रंहम, परंतु मेरे अधिकांश लोग इसमें विश्वास नहीं करते।"

मैंने कहा, "उनमें से अधिकांश कर्मकांड वादी है? "

70 "जी हां।" भाई इसका विश्वास नहीं करता। "परंतु," उसने कहा, "उनके कारण!" ओह, मैं उसे गले लगाना चाहता था। "उनके कारण, देखिए, मैं उनके कारण स्वयं को पवित्र करता हूं।"

71 ओह, यीशु बारह मनुष्यो को प्रशिक्षित कर रहा था, ताकि उन बारह के द्वारा सुसमाचार को संसार में ले जाना था। और उसने कहा, "उनके कारण मैं स्वयं को पवित्र करता हूं।" स्वयं को अपने पड़ोसी के कारण बनाएं, किसी के लिए। "वस्त्रों के लिए अपनी स्वतंत्रता का उपयोग ना करें," पौलुस ने कहा, "परंतु स्वयं को पवित्र करें!" पड़ोस में वास्तविक मसीही के समान व्यवहार करें, जैसा कि चाहिए। आपकी बातचीत, यदि आप अपने शत्रु से मिलते हैं, स्वयं को उसके लिए पवित्र करें, यह ना जानते हुए कि आप क्या कर सकते हैं।

72 अब पुत्र को स्थान पर रखना। पहली बात पुत्र के भीतर आने के पश्चात, वह एक पुत्र हो जाता है, परंतु फिर हम पाते हैं कि उसका व्यवहार उसे लेपालक पद के लिए तैयार करता है, चाहे वह सही या गलत व्यवहार करें।

73 और यह वो—वो पेंटीकोस्टल... अब मैं आपको दिखाऊं कि पेंटीकोस्ट एक नामधारी नहीं है। कितने बैपटिस्ट यहां है जो बैपटिस्ट थे जिन्होंने पवित्र आत्मा प्राप्त किया, जरा आपके हाथ देखे। देखा? कितने मैथोडिस्ट यहां पर है जिन्होंने पवित्र आत्मा पाया, अपने हाथ खड़े करें। कितने नाज़रीन यहां पर है जिन्होंने पवित्र आत्मा पाया? अपने हाथ उठाएं। प्रेसबीटेरियन, पवित्र आत्मा पाया। देखा? लूथरन। दूसरे नामधारी, जो बिल्कुल भी पेंटीकोस्टल से नहीं है, केवल किसी नामधारी संस्था से संबंधित है, पवित्र आत्मा पाया है, आपके हाथ देखे। देखा? इसलिए पेंटीकोस्टल नामधारी नहीं है, यह एक अनुभव है।

74 अब परमेश्वर ने आपको मसीह की देह में ले लिया (अब वह क्या करता है?) जब आपने स्वयं को सिद्ध कर दिया, स्वयं को पवित्र कर लिया अपने अच्छे व्यवहार से, पवित्र आत्मा के आज्ञाकारी, संसार क्या कहता है कोई मतलब नहीं।

75 अब मैं—मैं वास्तविक कठोर होने जा रहा हूं, देखिए, क्योंकि... मेरा अर्थ असभ्य होने से नहीं है। मैं—मैं... कृपया मैं वास्तव में नहीं—नहीं—नहीं देखता। मैं वास्तव में नहीं सोचता कि मेरा—मेरा अर्थ ये है। मैं—मैं नहीं होना चाहता। मुझे क्या थकाता है, कि लोगों को लेकर उन्हें परमेश्वर का भेजा हुआ सत्य प्रचार करूं, और वे पीठ फेर लेंगे और वही कार्य करते रहेंगे, और कहते हैं कि उन्हें पवित्र आत्मा मिला है। यह लगभग आपको तोड़ देता है, देखा। क्या मामला है? वे फिर उन्हें उन्हीं बातों पर वापस

आ जाते हैं जैसे कि इस्राएल के बालक, उन्होंने एक राजा चाहा ताकि यह राजा उन पर शासन करें और उनसे अमोरिया के समान व्यवहार करवाएं और अमालेकी और फिलिस्तीनी।

76 महिलाएं क्या जानती है, स्लेक पहनना गलत है? क्या आप जानती हैं? क्या आप जानती हैं कि बालों की लटो का काटना गलत है? क्या आप जानते हैं कि यह गलत है, श्रीमान कि आप निरंतर धूम्रपान करें और वैसे ही व्यवहार करें जैसे कि आप करते हैं? क्या आप जानती हैं कि आपके लिए यह गलत है कि आप अपने घर के स्वामी हो जाए, आपकी पत्नी को क्रोध का दौरा और आपको दरवाजे से लात मारकर बाहर कर देता है और आप कहते हैं, "हां, प्रिय तुम्हारा ह्रदय को आशीष मिले, मैं सीधा वापस आऊंगा"? क्या आप जानते हैं, आप... आप परमेश्वर के घर पर कैसे दु:खी हो सकते हैं जबकि आप अपना ही घर नियंत्रण में नहीं रख सकते हैं? यह बिल्कुल ठीक बात है। बहन, क्या आप जानती है, कि आपका पति केवल आपका पति ही नहीं, परंतु वह आपका शासक है? परमेश्वर ने ऐसा कहा है। क्योंकि पति बहकाया ना गया था, स्त्री बहकाई गई। और आप प्रचारक निरंतर स्त्रियों को पास्टर बना रहे हैं और अपनी कलीसिया में प्रचारक, यह जानते हुए कि परमेश्वर का वचन इसे दोषी ठहराता है।

77 तुम निरंतर उस नाम का उपयोग करोगे "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा बपतिस्मा" देने के लिए, जबकि बाईबल में एक बिंदु भी इसके लिए नहीं है। मैं चाहता हूं एक आर्च बिशप या कोई भी मुझे कहीं भी बाईबल में दिखाएं कि कभी भी "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा हुआ था। मैं चाहता हूं कि कोई मुझे दिखाएं कि यीशु नाम को छोड़ कभी कोई बपतिस्मा हुआ था। परंतु यूहन्ना का नहीं था... बपतिस्मा नहीं था, इन्होंने यह विश्वास करते हुए, बपतिस्मा लिया था कि वह आ रहा था, परंतु वे नहीं जानते थे कि वह कौन था। परंतु जैसे ही उन्होंने पहचाना कि उन्हें फिर से यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना था। मैं किसी को चाहता हूं... मैंने—मैंने असेम्बली ऑफ गॉड से पूछा, दूसरे प्रचारकों से, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, और हर चीज। वे नहीं करेंगे—वे इस विषय में बातें नहीं करेंगे। मैं पवित्र वचन देखना चाहता हूं।

78 और तब मैं "हठधर्मी हूं," हुंह, तो मैं "मूर्ख," हूं, अपने आपे से बाहर, मैं एक "पागल," हूं, केवल इसलिए क्योंकि मैं आपको सत्य बताने का यत्न

कर रहा हूं? अब, यह—यह सच्चाई है, भाइयों। यदि मैं परमेश्वर के लिए बिक गया हूं, आप बिका हुआ बंद कनस्तर है। आप—आप—आप—आप—आप एक ओर रखे हुए हैं, आप—आप भिन्न प्रकार के जीव है।

79 बहुत से बुलाए गए, थोड़े चुने गए। हां, बहुत से लोग बुलाए गए, आपने अपने हृदय में बुलाहट पाई, "हां, मैं विश्वास करता हूं परमेश्वर मुझे से प्रेम करता है। मैं विश्वास करता हूं वह यह करता है।"

80 परंतु, भाई, आप इतनी ही दूर भटकने जा रहे हैं, जैसे की बाकी लोग, क्योंकि उस दिन वे वहां आएंगे, यहां तक कि यह कहते हुए, "प्रभु, मैंने आपके नाम से प्रेत आत्माओं को बाहर निकाला है। मैंने आपके नाम से सब कुछ किया है। मैंने चंगाई सभाएं की है। मैंने सुसमाचार प्रचार किया है। मैंने प्रेत आत्माएं निकाली है।"

81 और यीशु कहता है, "यहां से चले जाओ, यहां तक कि मैं तुम्हें नहीं जानता, ढोंगियों। यह वह जो मेरे पिता की इच्छा पूरी करता है!" क्यों नहीं लोग इसे देख सकते हैं? अब, मैं जानता हूं कि यह साफ कर देता है। और मेरा—मेरा अर्थ चोट पहुंचाना नहीं, मेरा अर्थ उस प्रकार से नहीं है। परंतु, भाई, मैं—मैं...

82 मुझे ऐसा लगता है, हम लोग—हम लोग अंत समय में है, और परमेश्वर लेपालक कर रहा है, कलीसिया में उचित स्थान पर रख रहा है, मसीह की देह में, उसकी। अब, वहां पर बहुत सारे नहीं जा रहे हैं, वह वहां रखता है, मैं आपको आरंभ से ही यह बताने जा रहा हूं। आप कहते हैं, "ओह, अच्छा, वहां इतनी अधिक संख्या में होंगे!" परंतु उसने उन्हें वहां से निकालने के लिए छह हजार वर्ष भी लिए हैं। स्मरण रखें, पुनरुत्थान आता है और हम उनके साथ उठा लिए जाते हैं। केवल उनमें से थोड़े से देखिए। जल्द ही आप अपने उद्धार की खोज करें। आप स्वयं से देखिए और देखिए कि क्या गलत हो गया है। समझे? देखिए, कि—कि क्या मामला है। मैं जानता हूं यह—यह कठिन है, परंतु, भाई, यह सत्य है। यह परमेश्वर का सत्य है। लेपालक पद!

83 हमें परमेश्वर के लिए तत्पर रहना चाहिए, हमें दिन और रात चलते रहना चाहिए। हमें कोई भी रोकने योग्य ना हो, और हमें इतना मीठा और मनभावन होना चाहिए, और इतना कृपालु और अपने जीवन में मसीह के समान। यह जीवन के प्रतिदिन को लेता है। यीशु ने कहा, "मैदान की लिली

पर विचार करो, यह कैसे बढ़ती है, परिश्रम और काटना; तौभी मैं तुमसे कहता हूं कि सुलेमान ने अपने वैभव में ऐसे वस्त्र नहीं पहने।" सुलेमान के पास जो वस्त्र थे शानदार सिल्क और कढ़ाई और आदि–आदि, परंतु वह—वह नहीं थे... वह—वह नहीं जिसके विषय में वह बात कर रहा था। लिली के बढ़ने के क्रम में, इसे दिन और रात परिश्रम करना है। आप वापस आने के लिए क्या चाहते हैं जीवन के इस छोटे से अंतिम छोर पर? यदि धर्मी कठिनता से बचा, तो पापी कहां होगा, यही अविश्वासी और अभक्ति के लिए है, वह मनुष्य जो वचन को सुनता है, और उस पर चलने को मना करता है... ? अब हम क्या करने जा रहे हैं? समझे? अब वह...

84 अब यह है, यह हमारी कलीसिया है। हमारे मध्य में यहां चार या पांच अपरिचित हो सकते है। परंतु यह कलीसिया है, मैं आप लोगों को सिखा रहा हूं। यह टेपों पर जा रहा है। मैं चाहता हूं जो टेपों को सुनते हैं, स्मरण रखें, यह मेरी कलीसिया के लिए है। बाहर लोगों के मध्य में, वहां बाहर मैंने अधिक सज्ञन होने का यत्न किया कि उन्हें बताऊं, एक प्रकार से वही टिके रहे जहां बालक अपने हल्के दूध के साथ उन विचारों में टिके है। परंतु जब वास्तव में सत्य को रखने की बात आती है, हम इसे वहां रखे।

85 लेपालकता पद यही स्थान पर रखना! वे कहां पर है? मुझे दिखाएं वे कहां पर है। परमेश्वर प्रगटीकरण के द्वारा अपने बालकों को एक ओर बुला रहा है। उन्हें इस विषय में एक शब्द भी नहीं कहना है, आप देखते हैं कि कुछ घटित हुआ है। अपने पुत्र को उपयुक्त स्थान पर रख रहा है, उसे व्यवस्थित कर रहा है ठीक उन्हीं बातों के द्वारा। वह—वह उतने ही अधिकार में उसका शब्द, उतना ही अच्छा है जैसे बली स्वर्ग दूत का अच्छा है। पुत्र लेपालक कर लिया गया था, ऊंचे स्थान पर रखा गया, वहां बैठाया गया, उसका वस्त्र बदला गया, उसका रंग बदल गया। पिता ने उत्सव किया, कहा, "यह मेरा पुत्र है, अब से वह नियन्त्रक है। वह शासक है। वह मेरे समस्त संपत्ति पर अधिकारी है। वह सब जो मेरा है उसी का है।" यह सत्य है। तब हम उसी पर वापस जा सकते हैं, एल, एलाह, एलोहिम, देखो, जहां वह स्वयंभू है। और तब यहोवा में से होते हुए वापस आओ, जिसने कुछ बनाया है, उसने मनुष्य को पृथ्वी पर अधिकार दिया है। हम किस की प्रतीक्षा कर रहे हैं? प्रगटीकरणों। पृथ्वी करहा रही है। हम इसे निकालकर और इसे पढ़े। ठीक है।

... अपनी ही इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिए पहले से ठहराया... कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो,

कि... उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो,...

86 उसका अनुग्रह क्या है? पीछे पहले, जब वह पिता नहीं था; उसका अनुग्रह, उसका प्रेम, स्वयं को एक बालक बनाया, ताकि उसके द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र होने के लिए ठहराए गए, उसके महिमा का अनुग्रह। समझे?

... *जिसमें उसने* हमें *उसके द्वारा* स्वीकार किया है *उस*—*उस* (व्यक्ति विशेष) प्यारे में, जो की मसीह है।

87 हमें कैसे स्वीकार किया? उसके द्वारा। हम उसमें कैसे सम्मिलित होते हैं? एक आत्मा के द्वारा, सब ने उसमें बपतिस्मा लिया। सुनिए।

हमको उसमें उसके लोहू के द्वारा, छुटकारा अर्थात पापों एस–आई–एन–एस अपराधों की क्षमा...

88 पहले से ठहराए जाने को आप कैसे प्रचार कर सकते हैं, परमेश्वर के पहले से अभिषिक्त किए जाने को और तय होने को, जब तक की कहीं वहां पापों का छुटकारा ना हो? यह क्यों है? प्रत्येक दिन आप गलती करते हैं, रोजाना आप गलत करते हैं। परंतु यदि आपने नया जन्म पाया है, पुरुष या स्त्री, जैसे ही आप गलती करते हैं, परमेश्वर जानता है कि आपको इसके लिए दुःखी है। आप राष्ट्रपति रूज़वेल्ट की—की उपस्थिति में खड़े होंगे या किसी की भी, और कहते हैं, "मैं गलत हूं, परमेश्वर मुझे इस बात के लिए क्षमा कर दीजिए।" क्यों? और वहां जहां प्राश्चित का लहू है...

89 आप ध्यान दें कि पापो "एस—आई—एन—एस।" एक पापी, पापी है, वह पाप नहीं करता। परंतु कलीसिया पाप करती है, गलती करती है, गलत करती है, गलत विचार करती है, गलत प्रभाव, झिझकती है, छोटे बालक के समान हिलती–डुलती चलती है, सिखाने का यत्न कर रही है कैसे चलना है। वह अभी तक भली प्रकार से चलना नहीं जानती क्योंकि वह अभी छोटा लड़का है। परंतु हमारे पास हाथ है जो नीचे तक पहुंचाया है यदि हम... हमें लेता है, और स्थिर करता है, और कहता है, "अपना कदम *इधर* रखो पुत्र।" वह उठाकर हमें चाटे नहीं लगाता क्योंकि हम गलती करते

हैं, वह हमें जान से नहीं मारता क्योंकि हम चलने का यत्न कर रहे हैं। वह हम से अपने बालकों के समान प्रेम रखता है।

90 एक वास्तविक, वास्तविक पिता अपने बालक को नहीं मारेगा जबकि वह चलने का यत्न कर रहा है, यदि वह भूमि पर गिर पड़ता है। अपने बड़े बलशाली हाथों के साथ झुकता है और उसे उठा लेता है, उसे दोनों हाथों से पकड़ लेता है, और कहता है, "तुम्हें इस प्रकार करना चाहिए, पुत्र। *इस* प्रकार से चलो।"

91 परमेश्वर अपनी कलीसिया के साथ इस प्रकार से करता है! नीचे झुककर और अपने हाथों में ले लेता है उसे उठाकर और कहता है, "पुत्र, *इस* प्रकार से चलो। यहां, मत—मत—मत कहो इस प्रकार से, *इस* प्रकार से बात मत करो। अब, मैं चिंता नहीं करता कि कलीसिया कहती है, *यह* क्या कहता है, *वह* क्या करता है, आप *इस* प्रकार से कहते हैं। *इस* प्रकार से, यह सही है! यदि वचन इसे प्रचार करता है, आप इसी के साथ स्थिर रहे। इसी के साथ चले। ठीक इसके साथ बने रहे चिंता ना करें, कोई क्या कहता है। *इसके* साथ ही रहे। इस से चले इस प्रकार से आपको अपने कदमों को उठाना है।"

92 हमारे पाप; हमारे पापों के लिए प्राश्चिता का प्रेम, या हमारे पास कोई अवसर ना होगा। कैसे हम उन वचनों पर टिके रह सकते हैं!

... उसके अनुग्रह के धन से मिला;

जहाँ उसने—उसने अधिकाई से किया...

93 "अधिकाई" क्या है? ओह, प्रभु! जहां कि उसने *अधिकाई,* "महान ढेर इसका।"

... उसने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायात से किया;

94 "विवेक, सारी बुद्धिमानी उसने हमारे लिए बहुतायात से।" सारी "बुद्धि," से, सांसारिक नहीं। संसार की बुद्धिमानी उसके लिए मूर्खता है, और परमेश्वर की बुद्धिमानी संसार के लिए मूर्खता। जैसे कि दिन और रात, एक दूसरे के साथ सहमत नहीं हो सकता। परंतु जब सूर्य उदय होने लगता है और दिन निकलता है, तो रात्रि जगह–जगह भटकती है। और जब सुसमाचार की ज्योति भीतर आना आरंभ होती है, तो संसार की सारी बातें ओझल होने लगती है। और यह क्या करता है? वह अपने बालकों पर

सूर्य अधिकाई से चमकाता है, आत्मा में चलते हुए, परमेश्वर के आत्मा के अगुवाई में, अनुग्रह की अधिकाई में, सारे विवेक समझ और बुद्धिमानी के साथ, और जानने की चतुराई कि कैसे चले। आप देखते हैं कि यह गलत है, तो सावधान रहे कि आप क्या करते हैं, आप कैसे... यदि यह गलत है, तो सावधान रहें कि कैसे आप पहुंच करते हैं। समझदारी! वास्तव में समीप रहे, वास्तव में निश्चित रहे कि आप जानते हैं कि कैसे इस पर पहुंच करें। साँप ने समान बुद्धिमान, कबूतर की नाई हानि ना पहुंचाने वाले। यीशु ने यही कहा।

95 ओह, यह सोने के डले हैं, मित्रों! हम इस पर एक दूसरे दिन तक चलते रह सकते हैं। क्या यह आशा नहीं है? समझदारी, बुद्धिमान, वह हमारी और बहुतायात से है, उलट दिया! हमें चम्मच भर नहीं दिया, परंतु हमें बड़ा बेलचा और इस प्रकार से निरंतर फेंक रहा है। हमारी ओर बहुतायात से, बुद्धिमानी उसके अनुग्रह की समझदारी के साथ! ओह, आश्चर्यजनक अनुग्रह, कितना मीठा सुन पड़ता है!

अब, *जिसे उसने हमें सारे ज्ञान...* और समझ सहित;

हम पर बहुत से कि उसने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया, ...

96 वह किससे बात कर रहा है? नामधारी कलीसिया? कृपया मेरे भाइयों, मत सोचिए, कि मैं आपके नामधारीयों को नीचा कर रहा हूं, मैं नहीं कर रहा हूं। मैं आपको बताने का यत्न कर रहा हूं कि यह करना ही गलत बात है। यीशु ने कहा, "जाओ सुसमाचार सुनाओ," हम गये और नामधारियों को बनाया। यही कारण है कि हमारे पास यह नहीं है, हम मनुष्य के बुद्धि के पीछे चल रहे हैं। यदि केल्विन उठ सके!

97 क्यों, अधिक समय नहीं हुआ मैं एक महान पुरुष की कब्र के पास खड़ा था, एक महान सुधारक। और मैंने सोचा, "वह कितना महान था!" वह था! भाई, यह... मैं नहीं होऊंगा... यह जॉन वेस्ली था। और मैंने सोचा, "यदि आज जॉन वेस्ली इस कब्र से उठ सके और उसकी कलीसिया की स्थिति को देखता, वह अपने नाम से लज्जित होता!" जॉन वेस्ली एक भक्त मनुष्य था, एक अग्नि छाप झपटने वाला, जैसा कि उसने इसे कहा। जॉन वेस्ली एक पवित्र मनुष्य था जिसने परमेश्वर पर विश्वास किया, और उसके पीछे कदम–कदम करके चला। परन्तु जॉन के मरने के पश्चात, उन्होंने कहा, "हम

जॉन के लिए एक कलीसिया बनाएंगे इसलिए हमारे पास कलीसिया होगी, और हम इसे मेथोडिस्ट कलीसिया कहेंगे उसके पवित्रीकरण की उसकी विधि के कारण अनुग्रह के दूसरे कार्य होने के नाते।"

98 तब उन्होंने एक कलीसिया बनाई, और आज कलीसिया का मनुष्य हर उस बात का इन्कार करता है जिसके लिए जॉन वैसली खड़ा हुआ। जॉन वैसली ने दिव्य चंगाई प्रचार की। जॉन वैसली ने आत्मा के बपतिस्मे में विश्वास किया। जॉन वैसली ने सारे वरदानो के वापस लौटने में विश्वास किया। जॉन वैसली, मार्टिन लूथर, वे बहुत से महान पुरुष भाषाओं में बोले और अनुवाद किया। और, आज आप मैथोडिस्ट कलीसिया में अन्यभाषा में बोलेंगे या लूथरन कलीसिया में, वे आपको लात मार कर कलीसिया से बाहर निकाल देंगे। क्या मामला है? ठीक समय में जहां हमें पुत्रों को सही स्थान में रखना चाहिए था, क्या मामला है? उन्होंने किसी और चीज को अपना लिया, क्योंकि वे परमेश्वर के भेद को नहीं जानते। और वे इसे धर्म विद्यालय के द्वारा कभी नहीं जान पायेंगे!

99 मैं यहां पर कुछ पढ़ दूं। क्या यह ठीक है? ठीक है। हम निकाले, मैंने यहां पर कुछ लिख रखा है। हम देखे कि पौलुस कैसे... अब, यहां, यहां एक शिक्षक है इस संदेश का। हम प्रेरित 9:5 को, एक मिनट के लिए देखे। सुनिए कैसे पौलुस को यह प्रकाशन मिला, जो कुछ भी हुआ। अब, प्रेरितों के काम 9 में हम इस तरह पढ़ना आरंभ करेंगे। यह संडे स्कूल की कक्षा है, तो क्यों नहीं—इसे क्यों नहीं पढ़ा? देखें मुझे बताएं मैं कब लीक से हटा... ? ...

> *और शाऊल जो अब तक प्रभु के चेलों को धमकाने...* (ओह, वह छोटी तीखी नाक वाला, क्रोध में तेज, मतलब यहूदी!)... *और प्रभु के चेलो को* घात करने *की धुन में था, महायाजक के पास गया,*
>
> *और उससे दमिश्क की* आराधनालयो *के नाम इस अभिप्राय से चिट्ठी मांगी, कि यदि वह किसी को इस* पंथ *पर पाए...*

100 "मैं जाऊंगा उन्हें देखुंगा! यदि मैं उन्हें ढूंढ सकूं, लड़कों, मैं उनके साथ क्या करूंगा!" देखिए? "यदि मैं केवल उन्हें पा सकूं!" परंतु वह पहले से ठहराया हुआ था!

101 आप कैसे जानते हैं कि वह पुराना शराबी जो यहां है पहले से जीवन के लिए चुना हुआ नहीं है? आप कैसे जानते हैं कि वह पुराना आवारा जिससे आप बात भी नहीं करते, आप कैसे जानते हैं कि वह थोड़ा सा हाथ मिलाना और उसे अपनी कलीसिया में निमंत्रण देना, उसमें से परमेश्वर के लिए संत नहीं बनेगी, वह उस महिमा में? जब... आप कैसे जानते हैं कि वह नहीं है? यही जो हम नहीं जानते। परंतु यह हमारा कर्तव्य है। जैसे कि एक मछुआरा समुद्र में जाल फेंकता है और खींचता है, वह मेंढक, मछली, छिपकलीयां पानी के मकड़े, और सारी चीजें खींच लाता है, परन्तु उनमें से कुछ मछली थी। उसे मालूम नहीं था, वह केवल जाल फेंकता है। हम यही करते हैं। पौलुस पर ध्यान दे।

> ... और *उसने दमिश्क की आराधनालयो के नाम इस अभिप्राय से चिट्ठी मांगी कि क्या पुरुष, क्या स्त्री, जिन्हें वह इस पंथ पर पाए, वो उन्हें* बांध *कर और* उन्हें *यरूशलेम ले कर आए।* (भाई, वह वास्तव में कठोर था!)
>
> *जब वह दमिश्क के निकट पहुंचा: तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योति चमकी...*

102 "सड़क पर एक याजक आया, डॉक्टर एफ. एफ. जॉनस, और उससे कहा, 'अब आपको एक—एक धार्मिक विद्यालय के अनुभव की आवश्यकता है, पुत्र, और मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आपको उपयोग में ला सकता है।'" क्या वचन को इस प्रकार पढ़ना भयानक सा नहीं लगता? अब, इसका भी उतना ही अर्थ है... मैं यह उपहास के लिए नहीं कह रहा हूं। यही, जो हम इसका उतना ही अर्थ है जितना हम इसमें आज पाते हैं। "आप जानते हैं, कि आपकी माता एक भली महिला थी, मैं विश्वास करता हूं आप एक अच्छे प्रचारक बनेंगे।" देखिए क्या घटित हुआ।

> *और जब—और जब वह दमिश्क के निकट पहुंचा: तो एकाएक आकाश से उसके* चारों ओर *एक ज्योति चमकी...* (व्यूह, अलौकिक आरंभ हो गया!)... *अकाश से ज्योति:*
>
> *और वह भूमि पर गिर पड़ा, और यह शब्द सुना कि... हे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?*

और उसने कहा, हे प्रभु, तू कौन है? और प्रभु ने उससे कहा, *मैं यीशु हूं, जिसे तू सताता है:* और तेरे लिए *पैने पर लात मारना कठिन है।*

और वह घबराया हुआ आश्चर्यचकित था और *कहा, प्रभु, मेरे करने के लिए क्या है... ? और प्रभु ने उससे कहा, उठकर नगर में जा और जो तुझे करना है, वह तुझसे कहा जाएगा।*

103 और लोग जिन्होंने उसके साथ यात्रा की और आगे गए, और उन्हें एक मनुष्य मिला। हनन्याह, वहां था, उसने दर्शन देखा। सब अलौकिक! और पुराना शाऊल, वही पुराना नीच मनुष्य! इस हनन्याह ने दर्शन देखा, अपने घर में देखा। वह एक भविष्यवक्ता था, अपने घर में प्रार्थना कर रहा था, और उसने एक दर्शन देखा। वह... प्रभु उससे बोला और कहा, "वहां एक मनुष्य सामने सड़क पर से आ रहा था, चमगादड़ के समान अंधा है, और उसका नाम शाऊल है, वह तारसुस का शाऊल है।"

104 उसने कहा, "प्रभु, मैंने बहुत सी बातें सुनी है। मुझे मत भेज, मैं एक छोटा मनुष्य हूं। मुझे उसके पास ना भेज।"

105 उसने कहा, "परंतु, देख, उसके मार्ग में मैंने उसे दर्शन दिखाया। मैं उस पर अग्नि स्तंभ में होकर प्रगट हुआ हूं। और मैंने केवल उसे अंधा कर दिया जितना वह हो सकता था। और मुझे उसे अंधा करना और तोड़ना था इसके पहले मैं उसमें से कुछ बनाऊं। देखिए, मुझे उसका सारा धर्म ज्ञान तोड़ना है। आप जानते है, वहां वह—वह—वह उन कलिसियाओं में एक महान पुरुष था। उसके पास सब प्रकार की डिग्रियां थी, उसके पास और कुछ करने के लिए कुछ ना था, केवल," उसने कहा, "मुझे क्या करना था कि उसमें से सब कुछ बाहर निकाल दू।"

106 यही बात थी। यह उसमें बढ़ाने की बात नहीं, परंतु उसमें से निकालने की। मैं सोचता हूं आज बहुत से धर्म सेवकों के सामने यही बात है; आप में से निकालना, जहां कि परमेश्वर उनमें पवित्र आत्मा डाल सके। निकाल दो! वहां उसने कहा वह...

107 और उसने कहा, "प्रभु, परंतु यह—यह—यह मनुष्य तो खतरनाक मनुष्य है।"

108 उसने कहा, "परंतु, देख, वह प्रार्थना कर रहा है। अब, तू एक निश्चित गली से होकर जाएगा और तू एक फव्वारे पर पहुंचेगा। और वहां फव्वारे से

बाए को हो लेना, और तू जाना। वहां एक सफ़ेद घर होगा, और दरवाजा खटखटाना। वह वहां बड़े कमरे में है, वह उतनी ही दूर था, जहां तक की वे उसे पा सकते थे। अपना हाथ उस पर रखना, उसे दमिश्क की नदी पर ले जाकर और उसे यीशु के नाम से बपतिस्मा देना। क्योंकि, मैं तुझे बताता हूं कि मैं क्या करने जा रहा हूं, वह मेरे लिए बहुत दुःख उठाने जा रहा है, क्योंकि अन्य जाति के लिए वह मेरा दूत है।" आमीन!

109 "अच्छा, अब, एक मिनट रुको, प्रभु! अब, मैं तुम्हें कौन से विद्यालय के लिए परामर्श दू? " मैं आपको बताऊंगा, कि हम क्या करें, हम गलतियों को पढ़ कर और मालूम करें। बस अगला—अगला अध्याय ठीक पीछे। हम गलतियों 1 ढूंढे, और दसवें पद में से आरंभ करें, और देखें कि वह कौन से विद्यालय को गया, कौन से धर्म विद्यालय को, और उस पर किसका हाथ रखा गया, और, ओह, यह सब घटित हुआ। गलतियों 1ला अध्याय। समय बचाने के लिए हम उसके वार्तालाप 10वे पद से आरंभ करेंगे।

> *अब मैं क्या मनुष्यों को मानता हूं या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यो को प्रसन्न करना चाहता हूं? यदि मैं अब तक मैं मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता, तो मसीह का दास नहीं होता।*

110 ओह, प्रभु, प्रभु, प्रभु! मैं यहां एक छोटी सी बात कह दूं इसके पहले। गलतियों 1, 8वां अध्याय निकाले। कितने जानते हैं कि पौलुस ही वह था जिसने लोगों को दोबारा में यीशु के नाम से बपतिस्मा दिया, प्रेरित 19? निश्चय ही। दिया हम यहां थोड़ा 8वे पद के ऊपर से ले, 8वां—8वां पद।

> *... परंतु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम्हें सुनाया कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए, तो वो शापित हो।*

111 पौलुस, तू कहां से यह सुसमाचार पाएगा? 9वां पद।

> *... हम पहले कह चुके हैं, वैसे ही मैं अब फिर कहता हूं, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुमने ग्रहण किया है, यदि कोई और सुसमाचार सुनाते हैं तो शापित हो।*

112 यदि वह एक स्वर्ग से दूत भी हो, यदि वह एक बिशप है, यदि वह एक ओवर सियर है, यदि वह डॉक्टर *अमुक–अमुक* है, वह जो भी है, यदि वह यीशु मसीह के नाम में पानी का बपतिस्मा प्रचार नहीं करता, पवित्र आत्मा

का बपतिस्मा, वरदानो का फिर से मिलना प्रचार नहीं करता, मसीह का आगमन, और सारी बातें नहीं प्रचार करता, वह शापित हो! यदि वह इसमें से कोई भी वचन लेने का यत्न करता है और कहता है कि वह दूसरे युग के लिए था और इसे किसी नई प्राचीन विचारधारा पर रखता है कि जिसे हमने किसी धर्म विद्यालय में सीखा था, वह शापित हो!

113 आइए हम पढ़े, देखिए पौलुस को कैसे मिला, देखिए कैसे, मैं आज प्रातः आपसे क्या कहने का यत्न कर रहा हूं।

अब मैं क्या मनुष्यो को मानता हूं या परमेश्वर को? या क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूं? यदि मैं मनुष्य को ही प्रसन्न करता रहता, तो मसीह का दास ना होता।

114 कैसे मैं किसी बात की आशा कर सकता हूं, कैसे वह मनुष्य जो परमेश्वर से प्रेम करता है, और एक प्रचारक, विशेषकर, कुछ भी करने की आशा करता है परंतु वह मनुष्य के द्वारा उससे घृणा की गई? मनुष्य तुमसे घृणा करेंगे। अच्छा, उन्होंने कहा... यीशु ने कहा, "यदि उन्होंने मुझे कहा, घर के स्वामी को... मैं गुरु हूं, तुम सब से बड़ा। मैं वह हूं जो तुम से अधिक आश्चर्य कर्म कर सकता और पवित्र आत्मा से तुम सबसे अधिक कर सकता हूं, क्योंकि मुझ में समस्त परिपूर्णता है। और यदि उन्होंने मुझे 'बालजाबूब,' कहा, तो वे तुम्हें कितना और ना कहेंगे? परंतु," कहा, "कोई विचार ना करें कि तुम वहां क्या कहोगे, क्योंकि बोलने वाले तुम ना होंगे, यह पता होगा जो तुम में रहता है, उस समय वह बोलता है। केवल वचन के साथ बने रहे।" और वह, जब उसने पुस्तक लिखी, उसने कहा, "कोई भी व्यक्ति जो एक वचन इस पुस्तक में से निकालेगा या इसमें एक वचन मिलाएगा, तो जीवन की पुस्तक में से उसके लिए, वह भाग निकाल दिया जाएगा।" परमेश्वर इसके साथ बने रहने में हमारी सहायता करें!

115 अब अगला पद, अब मैं इसे पढ़ दू अब, इसे जल्द पढ़ते हैं।

परंतु मैं तुम्हें जताए देता हूं... (तुम स्वयं ही निर्णय लो।) *भाइयों मैं तुम्हें जताया देता हूं, कि जो सुसमाचार मैंने सुनाया है, वह मनुष्य का सा नहीं।*

"अब, मैं ना ही मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, या पेंटीकोस्टल हूं; यह मनुष्य के अनुसार नहीं है। ना ही... "

ना ही इसे मैंने मनुष्य से पाया, ना मुझे इसे सिखाया गया,...

116 "मैंने कभी भी इसे मनुष्य से नहीं पाया, कोई धर्म विद्यालय नहीं, डॉक्टर नहीं, कोई धर्म विज्ञान नहीं, विद्यालय की शिक्षा नहीं। मैंने कभी भी इस प्रकार प्राप्त नहीं किया, मुझे कभी भी इस प्रकार नहीं सिखाया गया, मैंने इसे कभी भी इस प्रकार नहीं पाया, मेरे पास प्रकार से कभी भी नहीं आया।" तो फिर यह कैसे आया, पौलुस?

... इसे सिखाया गया, परंतु यीशु मसीह के प्रकाश के द्वारा मिला।

117 "जब मसीह ने स्वयं को मुझ पर प्रगट किया, कि वह परमेश्वर का पुत्र था, जब उस दिन अग्नि स्तंभ मुझ पर आया, मैंने कहा, 'प्रभु, तू कौन है?' उसने कहा, 'मैं यीशु हूं।'"

118 अब, मैं आपको कुछ दिखाने जा रहा हूं, उसे क्या—क्या हुआ। अब, ठीक यहां किसी को अनुभव हुआ था, वे उसे ग्रीक सीखने के लिए दस वर्ष देते, और कुछ और वर्ष कुछ सीखने के लिए देते, और समय तक वह चला जाता। देखिए।

... ना ही मनुष्यो के द्वारा मुझे पहुंचा, ना ही मुझे सिखाया गया, परंतु यीशु मसीह के प्रकाशन के द्वारा।

क्योंकि तुमने पहले मेरा चाल चलन के विषय में यहूदी *मत* में सुना होगा, ...

119 "मैं इस बड़ा युवा डॉक्टर था। मेरे पास ये था।" वह गमलियेल की अधीनता में पढ़ाया गया, उनके देश में वहां सबसे ऊंचा शिक्षक था। कितने जानते हैं कि गमलियेल महान शिक्षकों में से एक था? जी हां, श्रीमान। "मेरा यहूदी धर्म, लड़के मैंने छोड़ दिया था; मैं सब जानता था कि अपोस्टल के धर्मसार कैसे कहते है, और वे सारी चीजे, आप देखिए। मैं जानता था कि प्रातः की प्रार्थना कैसे की जाए और लोगों को आशीर्वाद दिया जाए।" समझे?

... कि मैं परमेश्वर की कलीसिया को बहुत ही सताता और नाश करता था:

"मैंने कैसे उन पवित्र शोर करने वालों के झुंड को रोकने का यत्न किया!" समझे? समझे?

और मैं यहूदी *धर्म में उत्तेजित था...*

120 "मैं एक महान मनुष्य था। लड़के, मैं वास्तव में... मैं लाभ में था, मैंने उन्हें दर्शाया, मैं उन्हें नाश कर सकता हूं, क्योंकि मैंने स्तफनुस को मार डाला और बहुत सारी चीजें मैंने की। देखिए मैंने कैसे कर दिया!" कैसे उसने उन्हें सीमा से परे सताया!

और अपने बहुत से जातिवालो से जो मेरी अवस्था के थे यहूदी *मत में बढ़ता जाता था, और अपने बाप दादो के व्यवहारों में बहुत ही उत्तेजित था।*

121 अब, स्मरण रखें, परमेश्वर का वचन नहीं, "बाप दादो के व्यवहार में," दूसरे शब्दों में, कलीसिया के रीति रिवाजों में। "मैं समझता हूं कि मैं ह्रदय की गहराई से मैथोडिस्ट था, मैं ह्रदय की गहराई से बैपटिस्ट था, और मैं ह्रदय की गहराई से पेंटीकोस्ट था।" ओह, आप है क्या? मैं ह्रदय से परमेश्वर का होना चाहता हूं। हां, यही है। समझे? ठीक है।

... *बाप दादों के व्यवहार में।*

परंतु जब परमेश्वर की इच्छा हुई, ... (ओह, ओह, पौलुस आप यहां आए) ... *जिसने मेरी माता के गर्भ ही* से मुझे ठहराया, जो मुझे इस संसार में लाया, *और अपने अनुग्रह से बुलाया,*

कि मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करें, ...

122 यह कैसे हैं? "पवित्र आत्मा मुझ में! परमेश्वर की इच्छा हुई कि मुझे ले, जिसने मुझे गर्भ से अलग किया, और मुझे पुत्र दिया, जो कि पवित्र आत्मा, पवित्र आत्मा के रूप में मुझ में कि स्वयं को मुझ में प्रकट करें।" ओह, प्रभु! ओह! मैं—मैं—मैं विश्वास करता हूं, मैं थोड़ा सा चिल्लाना चाहता हूं।

123 देखिए, भाई मैं आपको बताऊं। जब यह परमेश्वर की इच्छा हुई! ओह, आज हाल्लेलुय्या! जब यह परमेश्वर की इच्छा हुई! एक पियक्कड़ पिता। एक मां... मां, परमेश्वर आपको आशीष दे, मैं आपके विरुद्ध कुछ नहीं कह रहा हूं। परंतु एक मां जो परमेश्वर के विषय में अधिक नहीं जानती जैसे एक खरगोश बर्फ के जूतों को नहीं जानता हो। और एक पिता जो गलियों में पीकर पड़ा हो। और विद्यालय जाने के लिए जूते भी नहीं, मेरी गर्दन तक एक लंबे–लंबे बढे हुए बाल, और हर कोई मुझ से घृणा करता था क्योंकि मैं यहां इंडियाना में एक केन्टकी वासी था। और कैसे, ओह, कैसे वह केवल एक सड़ाहट का दृश्य था। परंतु यह परमेश्वर की इच्छा हुई! आमीन! यह

परमेश्वर की इच्छा हुई, जिसने मुझे माता के गर्भ से ही अलग किया, ताकि अपने पुत्र को मुझ में प्रकट करें, वचन का सेवक होने के द्वारा, जो कि इसके साथ ठीक सही बना रहे, यह दर्शनों और चिन्हों, और अचंभे और आश्चर्य कर्मों को दिखाएगा। और, ओह, प्रभु!

124 देखिए वह किस विषय में बात कर रहा था? परमेश्वर की यह इच्छा हुई कि यह करें! कैसे? ध्यान से सुने। "कि... " अब 16वां पद ले।

कि मुझ में अपने पुत्र को प्रगट करें कि अन्य जातियों में उसका सुसमाचार सुनाऊं; परंतु मैंने कलीसिया से सलाह ना ली:

125 "मैं कभी भी किसी बिशप के पास नहीं गया और उससे पूछू कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं कभी भी किसी मांस और लहू, किसी भी संस्था या किसी के पास नहीं गया। मेरा उनसे कभी भी कोई लेना देना नहीं। मैंने कभी भी मांस और लहू से सलाह ना ली। ना ही यरूशलेम को गया उन महान पवित्र याजको के पास और पवित्र पितरो के, और वे सब, और कहा, 'अब, आप जानते हैं, मुझे एक दर्शन मिला था इस विषय में मैं क्या करूं? मैंने धन्य प्रभु यीशु को दर्शन में देखा।' वे कहेंगे, 'तुम यहां से बाहर हो जाओ, क्या... तुम पवित्र शोर करने वाले! अच्छा, तुम्हें क्या हो गया? ' नहीं, उनकी सारी डिग्रियां मेरे पास आरंभ से ही थी... "

126 और यहां पौलुस ने कहा, मैं आपको वचन में दिखा सकता हूं, कि उसने कहा कि वह सारी बातें जो उसने कभी सीखी थी भूल गया, और उन्हें कुछ नहीं समझता, ताकी वह मसीह को जान सके। ओह!

और ना यरूशलेम को उनके पास गया जो मुझसे पहले प्रेरित थे; परंतु तुरन्त अरब को चला गया, और फिर वहां से दमिश्क को लौट आया।

फिर तीन बरस के बाद मैं कैफा से भेट करने के लिए यरूशलेम को गया, और उसके पास पंद्रह दिन तक रहा।

127 और जैसा कि हम आगे बढ़ते हैं, हम पाते हैं कि वह और प्रेरित पतरस ने एक दूसरे को जीवन में कभी नहीं देखा, कभी भी एक दूसरे को नहीं जाना, कभी भी एक दूसरे को नहीं देखा, जब वे एक साथ आए तो वे एक ही सुसमाचार प्रचार कर रहे थे। परमेश्वर के पास विद्यालय है। देखा? जी हां!

128 यहां पतरस था, जो पेंटीकोस्ट के दिन खड़ा हुआ, बोला, "तुममें से प्रत्येक प्रायश्चित करें, और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।"

129 फिलिपुस ने कहा, "ओह यह कितना महिमामय है! मुझे भी कुछ करना चाहिए। वहां... मुझे समरियो से एक बुलाहट आई है।" वहां पर गया और सड़क पर गवाही दी। पहली बात, एक बीमार व्यक्ति आया, उस पर हाथ रखे, और कूदने और छलांगे मारने लगा। बोला, "परमेश्वर कि महिमा हो, हम यहां पर है!" एक बड़ी सभा करने हेतू। उसने कहा, "तुम सबको पवित्र आत्मा की आवश्यकता है।" उसने कहा, "आपको क्या करना है, आपको यीशु के नाम से बपतिस्मा लेना है।" इसलिए वह उन सब को लेकर, वहां पर और उन सबको यीशु नाम में बपतिस्मा दिया। कहा, "पतरस, यहां आओ, अब इन पर अपना हाथ रखो।" और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

पतरस, कुरनेलियस के घर पर, और उसी प्रकार से।

130 पौलुस ने उसे कभी देखा भी ना था या उसके विषय में कुछ सुना था। परंतु वह ऊपर इफिसुस के किनारे से होकर निकला, और उसने कुछ चेलो को पाया। उसने एक बैपटिस्ट प्रचारक को पाया, वह अपुलुस था, एक मत परिवर्तित व्यवस्थापक, तेज बुद्धिमान, पुराने नियम को लेकर और उसके द्वारा सिद्ध कर रहा था कि यीशु परमेश्वर का पुत्र था। जी हां, श्रीमान, वह एक बुद्धिमान व्यक्ति था। और वे चिल्ला रहे थे, वे आनंद कर रहे थे। बाईबल ने ऐसा कहा। पढ़िए 18वां और 19वां अध्याय प्रेरितों का और देखिए कि ठीक बात है कि नहीं। वे आनंद कर रहे थे, वे आत्मा में नाच रहे थे, और चारों ओर भाग दौड़ कर रहे थे, आप जानते हैं। पौलुस ने कहा, "परंतु क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया जब से तुम विश्वास में हो? "

131 और आप बैपटिस्ट भाइयों यह लोगों के गलो को छेदने का यत्न करता है, और कहा मूल यूनानी में कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया जब से, या *जब* आपने विश्वास किया था? " मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे पास यूनानी लाए! मेरे पास मेरी अपनी यूनानी है। मेरे पास एरामिक भी है, और हिब्रू भी। उनमें से प्रत्येक कहता है, "क्या *जब से* आपने विश्वास किया है आपने पवित्र आत्मा पाया? "

132 "विश्वास के द्वारा आप बचाए गए," यह परमेश्वर में आपका विश्वास है। लहू आपको पाप से शुद्ध रखता है, क्योंकि यह एक बलिदान बनाता है।

लहू आपको नहीं बचाता, लहू आपको शुद्ध रखता है। आप कैसे कहते हैं कि आप बचे हुए हैं? "विश्वास के द्वारा आप बचे हैं," और यह परमेश्वर के पूर्व ज्ञान के द्वारा, आपको बुला रहा है। आप बचे हुए हैं, और लहू छुटकारा करता है, आपको निरंतर शुद्ध रखता है। और तब एक ही आत्मा के द्वारा अपने पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लिया, विश्वासियो की संगति में, और पवित्र आत्मा की संगति में पवित्र आत्मा द्वारा, अगुवाई में चिन्ह और आश्चर्यकर्म कर रहे हैं।

133 प्रतीक्षा करते आते हैं, किसी चीज की प्रतीक्षा कर रहे हैं, हम थोड़ा सा पाते हैं, जो भी हो आशा करते हैं। मैंने आपको बताया कि मुझे इस समय बुलाए, क्या यह नहीं था? यह घटित होने को है, मैंने इसे देखा। केवल एक—केवल एक या दो शब्द। और... केवल यह एक—यह यह थोड़ा और है।

134 यह उद्धार कब तक चलेगा, कितने समय तक? यह किस प्रकार का उद्धार है? एक कलीसिया से दूसरी कलीसिया? एक से... आईए इब्रानियों 9:11 निकाले, एक मिनट केवल—केवल समझने के लिए देखें कितने समय तक, बस कुछ मिनटों के लिए। इब्रानियों की पुस्तक को निकाले और हम—हम मालूम करें कि कितने समय तक यह उद्धार चलेगा। देखिए यह किस प्रकार का उद्धार है। आइए हम इसे पढ़े इब्रानियों 9:11।

> *परंतु जब मसीह आने वाली अच्छी–अच्छी वस्तुओं का महायाजक होकर आया, तो उसने और भी बड़े और सिद्ध तम्बू से होकर, जो हाथों को बनाया हुआ नही, यही कहता है,...* (अब यह वही शिक्षक पौलुस है, देखिए)... *इस सृष्टी का नहीं... इस सृष्टि का;*
>
> *और बकरो और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लहू के द्वारा एक ही बार* (कितनी बार? एक बार!) *पवित्र स्थान में* प्रवेश किया, प्राप्त किया... (एक सप्ताह के लिए उद्धार, अगली बेदारी तक उद्धार? किस प्रकार का?)... *हमारे लिए अनंत छुटकारा प्राप्त किया।*

135 "अनंत" शब्द का क्या अर्थ होता है? मसीह में, जब मैंने विश्वास कर लिया... कोई भी मनुष्य यीशु को, "मसीह," नहीं कह सकता सिवाए पवित्र आत्मा के। इसलिए तीन प्रकार के लोग हैं: अविश्वासी, बनावटी विश्वासी,

और विश्वासी। परंतु वे जो एक बार अनंत जीवन में विश्वास कर चुके हैं, वे आंगनो में प्रवेश कर गए है।

136 पुराने मंदिर को ले, पहली चीज उन्होंने क्या करी? आंगनो में प्रवेश किया, अन्यजाति। अगला पीतल की वेदी, जहां वे बलिदान को धोया सुनहरे हौद के पास। अगला बलिदान को बलिदान करना, और लहू को वेदी के ऊपर छिड़कना। तब वर्ष में एक बार हारून का अभिषेक हुआ (किससे?) शारोन के गुलाब के इत्र से बहुमूल्य तेल के साथ, जिसमें सुगंध मिली होती थी उन्होंने उसके सिर पर उंडेला, वह उसके वस्त्र के छोर तक बहता चला गया। देखिए, कैसे यह मनुष्य पर्दे के पीछे वर्ष में एक बार जाता था, उसके सामने लहू अनुग्रह की वेदी के लिए लेते हुए। और उसने वर्ष में एक बार अपनी छड़ी ली और इसे भूल गया। और जब इसके पश्चात वे वापस गए, इसमें कलियों लग गई और फूल खिल गए। एक पुरानी छड़ी जो उसमें जंगल में संभवतः अपने साथ चालीस वर्षों से रख रखी हो, उस पवित्र स्थान में रख दी! ध्यान दें, जब उन्होंने वह वाचा का लहू लिया, वह लहू, वह अभिषिक्त था। और उसने वस्त्र पहन रखे थे और उनमें बजने वाली छोटी घंटियां थी, एक अनार और एक घंटी। और वह मनुष्य उसे इस प्रकार से चलना होता था कि हर बार जब वह पैर चलाता और *इस* प्रकार चलता वह अपने कदम ऐसे रखता, वे "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए पवित्र बजते। पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए। प्रभु के लिए, पवित्र, पवित्र, पवित्र।" ओह, प्रभु!

137 मैं किस विषय में बात कर रहा हूं? ब्रंहम आराधनालय, इसे सुन! तुमने अपना अवसर पा लिया। जब एक मनुष्य एक बार पवित्र आत्मा से अभिषिक्त हो गया, कि परमेश्वर के परिवार में लेपालक हो, पिता के द्वारा उपयुक्त स्थान पर रखा जाए, और यहां सेवा में उपस्थित किया जाए, उसके जीवन के उद्देश्य के लिए, या जिस कार्य के लिए परमेश्वर ने उसे बुलाया है, उसकी चाल प्रभु के लिए "पवित्र, पवित्र, पवित्र, होनी चाहिए। पवित्र, पवित्र, पवित्र!"

"ओह, आपको एक ओर हो जाना चाहिए *इसके* लिए और हो... "

"पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए।"

"ओह, जो एल्डर ने कहा आपको उसका विश्वास करना चाहिए, *यह*।"

138 परंतु, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए।" उसका वचन पहले हो, हर चीज जो वहां पर है, धंसी हुई है, आपके हृदय में तय हो गया! आपकी चाल चलन अवश्य ही वचन में होना चाहिए। "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए।"

139 "ओह, यदि आप यहां पर आएंगे! मैं आपको बताऊंगा हम क्या करते हैं, हम संस्थागत हो जाएंगे, तुम्हें अपनी संस्था में ले लेंगे, तुम एक महान व्यक्ति हो जाओगे।"

140 "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए। पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए।" बढ़ रहे हैं!

141 कोई क्या कहता है इससे कोई अंतर नहीं पड़ता: "इन टेपों की आवाज के साथ! *यह* करें! *यह* करें! *यह* करें! *यह* करें, या *आदि–आदि* करे!"

142 "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए।" आपने अपनी आंखें कलवरी की ओर लगा ली है, और आपको कोई नहीं रोक सकता! अपने जीवन की यात्रा में, आप राजा के राजमार्ग पर चल रहे हैं, आप बहुमूल्य अभिषेक के तेल से अभिषिक्त है, परम पवित्र स्थान में चल रहे हैं! व्यूह! आमीन। ठीक है।

143 पौलुस ने कहा उसे यह मनुष्य से नहीं मिला। अब वह क्या कहता है, वापस गलतियों, हमारा पाठ? "अपनी इच्छा का भेद हम पर प्रगट किया।" उसकी इच्छा क्या है? "अपनी इच्छा का भेद प्रगट किया।" आप जो 9वे पद को लिख रहे हैं। अब मैं जल्दी करने जा रहा हूं और इसे बाहर निकालुंगा, क्योंकि हम देरी से चल रहे हैं।

144 ओह, हर वचन ऐसा है... ? ... ओह, हर वचन एक सोने के ढेला है। आप इसे लेकर और इसे चमकाते रह सकते हैं। आप खोद सकते हैं, मैं... आप वहां से एक शब्द ले सकते हैं, और उत्पत्ति पर ले जाकर और इसे चमकाते हैं, निर्गमन पर ले जाकर फिर से और निखारते है, आप लैव्यव्यवस्था पर ले जाकर और इसे फिर निखार सकते हैं, और जब आप प्रकाशितवाक्य पर आते हैं, इसका हर अंश यीशु है! आमीन। आप जितना भी चाहे इसे निखार सकते हैं, यह यीशु ही होगा, जब आप ध्यान करते हैं—जब आप प्रकाशितवाक्य पर ध्यान करते हैं। क्योंकि उसने कहा, "मैं जो था, जो हूं, और आऊंगा। मैं दाऊद की जड़ और संतान हूं, भोर का तारा हूं। में अल्फा ओमेगा हूं।" यह ए और जेड है यूनानी अक्षरमाला में। "मैं ए से जेड हूं। **मैं हूं**! मैं सर्वे सर्वा हूं।" यह ठीक बात है। "मैं वह हूं जो

जीवता था और मर गया था, और सदा काल तक जीवित हूं। मेरे पास मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां है।" ओह, प्रभु! हर सोने का ढेला जो आप उठाते हैं और इसे चमकाना आरंभ करते हैं, यह सीधा यीशु में निखर कर आता है।

145 अब, थोड़ी देर बाद और तब हम—हम—हम—हम बंद करेंगे। जी हां। तब हम किसके लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं? आप यहां सभा में क्यों बैठे हैं? इसका उद्देश्य क्या है? संसार क्यों कहर रहा है? वहां एटम बम क्यों लटके हुए हैं, अणु और परमाणु क्या है? और, ओह, यह सब किसलिए है?

146 निकालिए, रोमियो का 8वां, एक मिनट। हम किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं? यह सब किसकी प्रतीक्षा में है? क्या समय है? रोमियो 8वां अध्याय और आईये हम इसे पढ़े, ओह, मैं कहूंगा आठवां... हम आरंभ करें... 19वां पद और ठीक—ठीक इसे यहां से पढ़े कि लगे, इसे—इसे वास्तव में मीठा बना रहा है। यह ठीक बात है। मैं जानता हूं आप वहां कहां पहुंच रहे हैं। ठीक है। रोमियो का, 8वां अध्याय, मैं विश्वास करता हूं कि मैं अब सही हूं। जी हां, श्रीमान आठवां अध्याय, और अब हम 18वे पद से आरंभ करें। हम जरा 14 पड़ से आरंभ करें।

> *इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाएं चलते हैं... वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।* (यह ठीक बात है।)
>
> *क्योंकि तुमको दास्तव की आत्मा नहीं मिली, कि फिर भयभीत हो;...*

147 "ओह, आश्चर्य यदि मैं इसे रोक सकता। यदि मैं इसे थोड़ा सा रोक सकूं, अब!" कुछ भी नहीं रोका! यह या तो मैं थाम लू, इसे या वह रोक ले। अब मैं उसमें हूं, देखिए।

148 अच्छा आप कहते हैं "ठीक है यदि मैं उसमें हूं!" अब आप—आप प्रेसबीटेरियन कहते हैं, "ओह, हमने सदा यही विश्वास किया है।" परंतु आपका जीवन यह सिद्ध करता है कि, आप नहीं कर रहे हैं जब तक आप इस प्रकार का जीवन ना बिताए जो उसने बिताया, आप उसी सुसमाचार का विश्वास करते हैं जो उसने प्रचार किया।

149 आप कहते हैं, "ओह," बैपटिस्ट कहते हैं, "निश्चय ही, मैं अनंत सुरक्षा में विश्वास करता हूं।" और यहां जाते है और सिगार पीते हैं और नाचने को भागते हैं, और स्त्रियां अपने बाल काटती है, अपने चेहरो को रंगती है

और ऐसा व्यवहार करती है कि मैं नहीं जानता कि क्या? आपके फल सिद्ध करते हैं कि आप इसका विश्वास नहीं करते।

जब मैं कहता हूं कि, "आप दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं? "

"ओह, डॉक्टर जोंस ने कहा यह *ऐसे* ही था, यह तो पीछे दिनों की बात है।"

150 अब, आप ढोंगियों! तुम्हारे साथ क्या मामला है? तुम बेचारे भ्रमित बालक। आप सुसमाचार से यहां तक इतने दूर हो गए है जब तक कि खेद का विषय ना हो गया। आप सड़क से उतर कर गारे की कच्ची सड़क को हो गए थे किसी जलते हुए कूड़े के ढेर पर। क्या आप यहां नहीं दिखते कि उसने क्या कहा? कि, प्रत्येक आत्मा जो यह मान लेती है कि यीशु अब इस समय देह में होकर नहीं आया, वह गलत आत्मा से है। बाईबल ने कहा यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है। तो फिर उसने क्या कहा, वह अब है, वह सदा वैसा ही है। जरा सुनिए।

क्योंकि तुमको दासत्व की आत्मा नहीं मिली कि फिर भयभीत हो; परंतु तुम्हें आत्मा मिला है... [सभा, "*लेपालकपन।*"—सम्पा।]

151 अब, आपके लेपालक होने के पश्चात, ठीक है, आपके लेपालक होने के पश्चात। आपको रखा गया, तब आप समझते हैं, समारोह के पश्चात कहा और आप देह में सही प्रकार से रखे गए हैं। आप पुत्र है, निश्चय ही, एक पुत्री, जब आप नया जन्म पाते हैं तब आप वह हैं, वह आपका जन्म है। परंतु अब आप यही स्थान पर रखे गए हैं।

हमने भय की... आत्मा नहीं पाई; परंतु हमने आत्मा पाया है, हमने पाया है—हमने लेपालक होने का आत्मा पाया है, जिससे हम हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारते हैं। (जिसका अर्थ, "मेरे परमेश्वर।" ठीक है।)

आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम—हम परमेश्वर की संतान है:

152 वह इसे कैसे करता है? आप कहते हैं "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या! मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है, मैं परमेश्वर का एक बालक हूं," और बाहर जाकर उन कामों को करता हूं जो आप करते हैं? परमेश्वर का आत्मा परमेश्वर के कार्यों को करेगा।

153 यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, वे कार्य जो मैं करता हूं वह भी करेगा।" समझे? समझे?

154 यदि—यदि—यदि—यदि यह दाखलता आती है और यह अंगूरो के गुच्छो को उत्पन्न करती है, और अगली वाली आती है और कद्दुओं को झुण्ड है फलता है तो वहां कुछ गड़बड़ है। समझे? यह कूड़ा की हुई कलीसिया है, यह कूड़ा हुई दाखलता है, यह सांटा हुआ व्यक्ति है। और यदि कोई व्यक्ति किसी नामधारी के संग, एक नामधारी से संबंधित है और स्वयं को मसीही कहता है, और पवित्र आत्मा नहीं है और परमेश्वर की सामर्थ और वह सारी चीजें...

155 अब, यदि आप बाहर जाते हैं और इन पियक्कड़ो के समान व्यवहार करते हैं, केवल इसलिए क्योंकि आपने अन्य भाषा में बातें की है। मैंने प्रेतों को भी अन्यभाषा बोलते देखा है। जी हां, श्रीमान। मैंने उन्हें आत्मा में नाचते हुए देखा है, और शोर करते, और उनके मुंह में झाग, और सारी बातें। और वह सब मैंने यह देखा है... मैं एक मैं उस विषय में बात नहीं कर रहा हूं। मैं परमेश्वर के आत्मा के विषय में बात कर रहा हूं।

आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ दवाई देता है कि हम... परमेश्वर की संतान है:

और यदि संतान है, तो वारिस भी; वरन परमेश्वर के वारिस भी,... और मसीह के संगी वारिस है; जबकि... हम उसके साथ दुख उठाए कि हम... उसके साथ महिमा भी पाए।

क्योंकि मैं समझता हूं इस समय के दु:ख और क्लेश...

156 अब जरा इसे सुने। ओह, क्या यह सुंदर नहीं है!

क्योंकि मैं समझता हूं इस समय के दु:ख और क्लेश उस महिमा के सामने, जो हम पर प्रकट होने वाली है कुछ भी नहीं है, हम में—हम में।

क्योंकि सृष्टि आशा भरी दृष्टि से...

157 यह यहां पुकारती है, एक छोटा सा यह एक छोटा सा शब्द हाशिये पर "सृष्टि" पढ़ा जा रहा है, यह यूनानी में ठीक है।

... सृष्टी की आशाएं, सृष्टि *परमेश्वर के पुत्रों* के प्रगट होने की बाट जोह रही है।

158 सारी चीजें किसकी प्रतीक्षा में है? सारी सृष्टि किस बात की आशा कर रही है? परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की। यह कलीसिया की प्रतीक्षा कर रही है कि अपने स्थान पर हो जाए। परमेश्वर का पुत्र कौन था, जब आदम, उसका राज्य कहां था? पृथ्वी पर। वह, उसका राज्य पृथ्वी पर था। क्या यह ठीक बात है? तब वह एलाह, एलाह, एलोहिम, नहीं था; वह यहोवा था। समझे? यह है, "मैं परमेश्वर हूं, और मैंने अधीनता में छोटा परमेश्वर बनाया है। और मैंने उन्हें एक राज्य दिया है। और उनके राज्य में, उसकी आधीनता में में पृथ्वी का राज्य था।" मनुष्य का राज्य पृथ्वी पर था। और सारी सृष्टि परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जोह रही है। ओह!

हम उस प्रसन्नता भरे सह–शताब्दी के दिन के आने
की प्रतीक्षा कर रहे हैं,
जब हमारा धन्य प्रभु आएगा और अपनी प्रतीक्षा करती
हुई दुल्हन को ले जाएगा;
ओह, पृथ्वी कहर रही है, अपने छुटकारे के दिन के
लिए चिल्ला रही है,
जब हमारा बचाने वाला फिर से इस पृथ्वी पर आएगा।

159 क्या यह ठीक बात है? प्रतीक्षा कर रही है। परमेश्वर अपनी कलीसिया को सही स्थान पर रखने का यत्न कर रहा है, कि स्वयं को प्रगट करें उस एक को ले रहे हैं, वह इसके द्वारा इस प्रकार कार्य सकता है, कहा, "मेरा आत्मा खुले रुप में बह रहा है। यह यहां है। कि, कि, मैं—मैं कार्य कर सकता हूं।" दूसरा वाला यहां है और उसे यहां रखें, "मैं यहां रख सकता हूं।" लेपालक पद, यथा स्थान पर रखना, प्रगट कर रहा है और उसे यहां बाहर निकाल रहा है और उस पर उत्सव करता, स्वर्ग दूत के साथ उससे मिलता है, उसे कुछ बताता है। अब, यदि वह सत्य बताएं! अब, यदि वह कुछ बना रहा है, तो वह कार्य नहीं करेगा। अब, अब यह कार्य नहीं करेगा, हमारे पास यह बहुत है। परंतु मेरा अर्थ—परंतु मेरा अर्थ परमेश्वर के पुत्रों का प्रगटीकरण, जब परमेश्वर स्वयं को प्रगट करता है और वह उसे बाहर भेजता है। और तब वह जाता है, और जो वह कहता है सत्य है। जो वह करता है सत्य है। जो वह करता है, वह मसीह को प्रगट करता है। आप उसे कैसे परखते हैं? इस प्रकार से वह वचन के साथ स्थिर रहता है, ठीक वचन के साथ। देखिए, इस प्रकार से आप सब मनुष्यो को

जानते हैं, कि वह वचन के साथ स्थिर रहता है। "यदि वे वचन के अनुसार नहीं बोलते हैं, तो उन में जीवन नहीं है," बाईबल कहती है। समझे? उन्हें छोड़ दो।

160 अब हम इसे पढ़ें, तब हमें—हमें रुकना पड़ेगा, क्योंकि हमारा समय बीत रहा है। ठीक है, 10वे पद में, या बल्कि 9वें पद में।

> *उसने अपनी इच्छा का भेद हमें बताया,* (कि हमारा लेपालकपन करे) *उस सुमति के अनुसार, जिसे उसने अपने में ठान लिया था:*

161 यह स्वयं उसने अपने में ठाना, इस संसार के रचने से पहले। कितने इसे समझते हैं? समझे?

> *कि समयो के पूरा होने का...*

162 ओह, प्रभु, हम यहां फिर आते हैं! ओह! ओह, हम—हम—हम इस से जरा आगे बढ़े, देखिए।

> *... समयो के पूरा होने का ऐसा प्रबंध हो...*

163 क्या आप समय अवधियो पर विश्वास करते हैं? बाईबल ने ऐसा कहा है, "समयो के पूरा होने का प्रबंध।" समय का पूरा होना क्या है? एक धार्मिक विधान है, अच्छा, वहां मूसा की व्यवस्था का एक धार्मिक विधान था। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का एक धार्मिक विधान था। मसीह का एक विधान था। कलीसियाओं के संस्थागत होने का एक विधान था। पवित्र आत्मा के उड़ेले जाने का एक धार्मिक विधान था। अब लेपालक पद का एक विधान है, संसार का किसलिए प्रतीक्षा करना, और तड़पना है। "और जब समय का पूरा होना आया, जब समय का पूरा होने का धार्मिक विधान आया," समय का पूरा होना क्या है? जब मृत जी उठते है, जब बीमारियां समाप्त हो जाती है, जब... जब सारी पृथ्वी कहरना बंद कर देती है। "धार्मिक विधान के समय का पूरा होना।" इस पर ध्यान दें।

> *कि समयो के पूरा होने का ऐसा प्रबंध हो कि जो कुछ स्वर्ग में है और जो कुछ पृथ्वी पर है सब कुछ वह मसीह में एकत्र करें,...*

164 क्या आप मसीह में आनंदित नहीं है? वह इसे कैसे करने जा रहा है? सारी चीजें एकत्र करने जा रहा है, किस में? [सभा कहती है, "मसीह।"—सम्पा।] आप मसीह में कैसे आते हैं? ["एक आत्मा के द्वारा।"] हम सब

ने एक आत्मा के द्वारा बपतिस्मा लिया है [“एक देह में”] एक देह में। और वह देह किस की देह है? [“मसीह की।”] जिसका पहले ही न्याय हो चुका है। उसने हमारा न्याय ले लिया। तो फिर हम क्या है? “जब मैं देखता हूं [“लहू।”] लहू, मैं तुम्हें छोड़ जाऊंगा।” हर बार वह देह को देखता है, वहां वह लहूलुहान बैठी है। मैं वहां उसमें कैसे हूं? पवित्र आत्मा। वह निकल जाता है। ओह, प्रभु!

और जब समयो के पूरा होने का समय, *ताकी वह सारी चीजो को मसीह में... एकत्र करें, दोनों जो कि स्वर्ग और,...*

165 अब यदि आप नाम के विषय में बात करना चाहते हैं, तो हम अभी थोड़े समय के लिए इसे आरंभ करते हैं। सारा परिवार जो स्वर्ग में है किस नाम से है? [सभा कहती है, “यीशु मसीह।”—सम्पा।] सारा परिवार जो पृथ्वी पर किस नाम से है? [“यीशु मसीह।”]

166 यहां कुछ भली अच्छी महिलाएं है, अच्छी, वास्तविक महिला, महिलाएं। यहां एक श्रीमती ब्रंहम है, श्रीमती विलियम ब्रंहम, वह मेरी पत्नी है। वह मेरे साथ घर जाती है। देखिए, आप बाकी अपने पतियों के साथ घर जाती है।

167 एक महान जीवित कलीसिया जीवित परमेश्वर की है, जो उसके नाम से है, वह उसके आत्मा से भरी हुई है। यह ठीक बात है। मैं नहीं कहता...

168 मैं भले कामों को दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, मैं उनके अस्पतालों और चीजों को जो वे करते हैं दोषी नहीं ठहरा रहा। मैं सोचता हूं, वे बहुत बढ़िया और परमेश्वर की निर्धनों के लिए आशीष है, दुखित मानवता। मैं इन सब दूसरी बातों को दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, जो वे कर रहे है। बढ़िया, यह बस ठीक है। और उनकी महान संस्थायें और लाखों डॉलर की, मैं निश्चित ही होऊंगा बल्कि उन पियक्कड़ो को एक साथ किसी कोने पर खड़े हुए, किसी समय। मैं निश्चय ही उनका सम्मान एक प्रचार मंच पर खड़े हुए सेवक के समान करूंगा।

169 परन्तु जब यह एक साथ एकत्र होने के लिए आता है इस धार्मिक विधान के अंत में, तो यह परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जो रहा हैं, इस धार्मिक विधान, विधान... ताकि वह सब को एकत्र कर सके, वह सब जो मसीह में एकत्र किया गया। मसीह क्या है? कितने... हम उसमें कैसे सम्मिलित होते हैं? पहला कुरुन्थियो 12, “एक ही आत्मा के द्वारा

हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया," जो की मसीह की देह है, और हर वरदान के भागी बनते हैं और हर भली वस्तु के जो उसके पास है। क्या यह ठीक बात है? "और सारी पृथ्वी कहर रही है, चिल्ला, और प्रतीक्षा कर रही है जब मसीह और उसकी कलीसिया एक साथ एकत्र होकर प्रकट होंगे।"

कि वह... समयो के पूरा हो जाने पर... सब को एक में एक साथ एकत्र करें... सब मसीह में, दोनों जो स्वर्ग, और पृथ्वी में है; और *उसमें भी जो है:... पृथ्वी; यहाँ तक उसमें:*

जिसमें... ठहराए जाकर मीरास बने,...

170 ओह, भाई नेविल, इस समय को लेने के लिए मुझे क्षमा करें। मैं... जो वचन "मीरास।" ओह–ओह–ओह–ओह! ओह, यह होना! ओह–ओह–ओह–ओह! मैं जानता हूं कि वह... यह निकट कुटम्बी भाई। मैं नहीं... मैं आशा करता हूं कि मैं पागल नहीं हूं। मैं—मैं—मैं केवल... मैं नहीं सोचता कि मैं हूं। परंतु, ओह, प्रभु! एक क्या? "एक मीरास।" हमने एक मीरास पाई। किसी को आपके लिए कुछ छोड़ना है। परमेश्वर ने संसार के रचने से पहले, आपके लिए कुछ छोड़ा है। एक नाम पुस्तक में लिखा है, कि जब मेमना बली किया जाएगा तो आप उसके साथ पहुंचाने जाएंगे। ओह! हम इसे आज रात्रि के लिए बचा कर रखें। आइये हम इसे थोड़ा और पढ़े। ओह, प्रभु! हम कैसे कभी तीसरे पद पर आ पाएंगे आज रात्रि, याने 3रे अध्याय पर? हमने तो चौथा या पांचवा पद भी नहीं लिए इसमें से। अब हम बंद करने पर है, यदपि, मुझे बस इसे थोड़ा पढ़ना है और इसे पाने दे।

जिसमें होकर हमने वारिसाना हक प्राप्त किया...

171 क्या? हम कैसे इस मीरास में भागी बनते हैं? हम इसे कैसे पाते हैं? क्योंकि हम सिधाई से चलते हैं? हम इस मीरास को कैसे पाते हैं? क्योंकि हम पहले से ठहराए गए हैं। आमीन। व्यूह! मेरे आरमिनियन भाइयों, मैं जानता हूं कि यह बहुत कठिन है। मेरा उद्देश्य दुख पहुंचाने का नहीं है, परंतु यह जानकर मुझे बहुत अच्छा लगता है... आप—आप—आप इसे समझे, आप समझे भाई ठीक हैं। आप बस इसे देखते नहीं। आपको भी वैसे ही मिला है। समझे? आप ठीक है, देखिए, आप ठीक हैं। समझे? परंतु, ओह, परन्तु इसे देखना इतना अच्छा है। जी हां। जैसे की भाई नेविल ने कहा उस समय महराबो के लिए, कल, "एक सीढ़ी ले और उसके चारों ओर घूमें और देखिए आपको क्या मिला।" जी हां, श्रीमान। यह भी उसी

प्रकार से है। परमेश्वर का पवित्र आत्मा हमारी सीडी है हमें यह बताने के लिए कि हमारे पास क्या है। समझे?

172 देखिए, एक मीरास। ओह, प्रभु! "कुछ होने के नाते... " किस प्रकार की मीरास?

... उसी में जिसमें हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है पहले से ठहराए जा कर मीरास बने:

173 जब वह था... इसके पहले कि वह एक पापा था, इसके पहले कि वह एक परमेश्वर था पहले कि वह एक बचाने वाला था, इसके पहले कि वह एक चंगा कर्ता था, इस सबके पहले, उसने पहले से ठहराया, मेमने का नाम पुस्तक में रखा, उसने अपने पूर्वज्ञान से इसमें होकर देखा और आपका नाम देखा, जो की वहां भी है। यह क्या है? और कुछ समय पश्चात हम संसार में आए, पापी माता–पिता से जन्मे; हम संसार में घूमे, आप जानते हैं। पहली बात आप जानते हैं, जैसे कि वह छोटा नुकीली नाक वाला यहूदी, पौलुस, आप जानते हैं और—और वह लेकर चल रहा था, और पहली बात किसी चीज ने कहा, "यहां, यहां, यहां, यहां, यहां!"

आप कहते हैं, "ओह, अब्बा, पिता!"

174 और हम यहां आना आरंभ कर देते हैं, उसमें हमें पहले से ठहराया, जो कि हमारे लिए पहले से ठहराया गया था। देखिए, हम संसार के रचने से पहले इसके वारिस है। समझे? ओह! उसके अपने उद्देश्य के लिए ताकि अपनी इच्छा पूरी करें, यह बिल्कुल ठीक, परमेश्वर और बचाने वाला होने को।

जिसमें तुमने विश्वास भी किया, जब तुमने *सत्य का वचन सुना,...*

175 और सत्य कौन है? यीशु सत्य है, सुसमाचार का सत्य। क्या सुसमाचार? केवल एक ही सुसमाचार है। गलतियों 1, ने कहा, "यदि कोई स्वर्गदूत भी कोई दूसरा सुसमाचार प्रचार करें, तो वह स्त्रपित हो।" यह सुसमाचार है, तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार; ना कि दूसरा, दूसरा कोई नहीं है। "कोई दूसरा नाम नहीं—नहीं दिया गया आकाश के नीचे जिससे कि तुम बच सको।" केवल किसके नाम में? [सभा, "प्रभु यीशु मसीह।"—सम्पा।] ओह, मुझे!

... जिसमें... तुम्हारे विश्वास करने के बाद, तुम *पर छाप लगी...*

176 ओह, "तुम्हारे विश्वास करने के पश्चात!" हम कैसे ऐसे ही भाग सकते हैं, भाई? हम इसे आज रात्रि के लिए छोड़ दें, आप क्या कहते हैं? ओह, प्रभु! मैं—मैं इसके और—और आगे नहीं बढ़ सकता, इसे छोड़ कर। हम इसे आज रात्रि के लिए छोड़ दें। मैं इस "मोहर बंद," होने को नहीं छोड़ सकता आप उसमें कैसे आ सकते हैं, देखा।

177 पहले से ठहराए जाने के द्वारा। वारिस, मैंने कुछ मीरास पाई है। क्या मीरास? कोई तो होना चाहिए जो मेरे लिए मीरास छोड़े। क्यों, आप कहते हैं, "यीशु ने आपके लिए मीरास छोड़ी है।" मुझे क्षमा करें! यीशु ने आपके लिए कभी भी मीरास नहीं छोड़ी, यीशु ने आपके लिए कभी भी मीरास नहीं छोड़ी; वह केवल नीचे आया और आपकी मीरास का भुगतान किया, आपको आपकी मीरास तक ले आया। परंतु आपका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में पृथ्वी के रचने से पहले लिखा था। परमेश्वर आपको आपकी मीरास देता है। आपकी मीरास पहले थी। यीशु केवल आया... एक भाग, यहां वह मार्ग है जो वे बनाने का यत्न करते हैं, "परमेश्वर कह रहा है, 'अच्छा, बहुत सारे लोग नष्ट हैं। उनमें से एक भी नहीं बचेगा, इसलिए मैं यीशु को नीचे भेजूंगा और संभव है वह करेगा... कोई दुःखी हो जाए, और जाने कि मैंने क्या किया है और बच जाए।'" ओह, अनुग्रह! मैं अपना कार्य स्थल इस प्रकार नहीं चलाऊंगा, जैसे की कभी–कभी मैं इसे खराब रीति से चलता हूं। समझे? मैं—मैं ऐसा नहीं करूंगा। तो परमेश्वर के विषय में क्या है?

178 परमेश्वर ने अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा, पहले से ठीक–ठीक देखा कि कौन बचेगा और कौन नहीं बचेगा, उसने यीशु को उनके पास बचाने भेजा जिनको उसने पहले से चुना था। क्या पौलुस ने पांच पद में पहले यह नहीं कहा, कि "उसने हमें उसमें संसार के भी पहले से चुना"? यह आपकी मीरास है। परमेश्वर ने हमें चुना, और यीशु को दाम चुकाने के लिए आने दो। यह क्या? उसका अपना लहू बहाना, ताकि हमारे लिए कोई पाप गिना जाए। आप कुछ ना करें। परंतु यदि आप...

179 "वह जो जान बूझकर पाप करता है सत्य का ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात, तो फिर कोई बलिदान बाकी नहीं।"

180 अब, और यही जहां आप फिर से उठेंगे, कहते हैं, "भाई ब्रंहम, उस विषय में, क्या है? "

181 परंतु बस स्मरण रखें, देखिए, "जिसने सत्य का *ज्ञान* ग्रहण किया।" उन्होंने कभी भी सत्य ग्रहण नहीं किया, उन्होंने केवल सत्य का ज्ञान ग्रहण किया है। समझे? जिन्होंने एक बार ज्योति पाई है उनके लिए अनहोना है, और पवित्र आत्मा के भागी हुए हैं, और अच्छे वचन की सामर्थ को चखा है। उस प्रकार के किनारे के विश्वासी वहां है। इस पर बहुतों ने मुझे पत्र लिखे हैं।

182 वे किनारे के विश्वासी वहां तक जाते हैं, यहोशू और कालेब ठीक वहां तक गए। क्यों? अब हम उस पवित्र आत्मा को बुलाने जा रहे हैं, देश वहां पर है। यहां वे वापस *यहां* पर है। या *यहां* कहते हैं *यह* पवित्र आत्मा है, और वे वापस *यहां* पर है, आप देखिए। यही है जहां पर प्रतिज्ञा है, *वहां* है। "अच्छा, यदि वे दस भेदियो को भेजेंगे, हर गोत्र में से एक, इसलिए ताकि हम सारे गोत्र जान सकेंगे कि हमारी मीरास का है, कहाँ वह सब होगा, जहां बसारी जाएंगे, वह स्थान कहां होगा।' इसलिए, मैं कुछ भेदियो को भेजने जा रहा हूं।"

183 वे सब वहां पर पहुंचे, "ओह, प्रभु! नहीं। हम पवित्र शोर करने वाले ठहरेंगे। तब, उसके बाद से नहीं, हुंह–ऊह, हम यह कर सकते।" समझे?

184 यहोशू और कालेब ने कहा, "मैं देखुंगा कि यह कैसा दिखाई पड़ता है।" इसलिए वे यहां पर आए और उनकी ओर देखा। वह, वे वहां पहुंचे और उनके अंगूरों को एक बड़ा गुच्छा काटा और फिर वहां वापस आए। कहा, "लड़के, वह बहुत शानदार है, बस बहुत शानदार है! यहां इसमें से कुछ लो, यह वास्तव में अच्छे हैं!"

185 "और यह अच्छा है, परंतु ओह, उन बड़ों को देखो... ओह, हम यह नहीं कर सकते। उनके विरोध में वे बड़े–बड़े नामधारी खड़े हैं, वे सारी बड़ी–बड़ी चीजें? ओह, यह बहुत बुरा है, हम यह नहीं कर सकते। नहीं, श्रीमान! नहीं कोई मतलब नहीं, कि यह कौन है, हम नहीं करेंगे। नहीं, श्रीमान।" और वे कहने लगे, "ओह, आओ वहीं मिस्र को मछली की हड्डियों के लिए वापस चले। वहां हमें जैसे भी टिकना पड़े। हम इसे नहीं कर सकते, यह मार्ग तो बहुत ही सीधा है। हम जानते हैं, हम *यह* नहीं कर सकते, हम *यह* नहीं कर सकते।"

186 बूढ़े कालेब ने कहा, "शांत रहिए, आप सब!" यहोशू ने कहा, "चुप रहो, आप सब लोग! मुझे कुछ कहने दे।"

187 "ओह, हाय, हाय, हाय, हम यह नहीं कर सकते! ओह, हम नहीं कर सकते। अच्छा, यदि मुझे अपनी ताश की ढोली छोड़नी पड़ेगी, भाई ब्रंहम! यदि क्या मुझे अपने बाल बूढी स्त्रियों के से बढ़ाने पड़ेंगे, मैं नहीं जानती कि मैं क्या करूंगी। यदि मुझे अपने छोटे–छोटे वस्त्र छोड़ने पड़ेंगे, मैं—मैं—मैं, मुझसे बस यह नहीं हो सकेगा, आप जानते हैं। और यदि मुझे अपने सिगारों को छोड़ना पड़ेगा!" आप बेचारे छुडाये हुए उदाहरण। हां। "बस मैं नहीं कर सकता।"

188 यहोशू ने कहा, "ओह, यह अच्छा है। हाल्लेलुय्या! हम इसे ले सकते हैं।" यह क्या था? वे उन बड़े नगरों जो दीवारों से घिरे थे देख रहे थे। और यहोशू और कालेब प्रतिज्ञा को देख रहे थे जो परमेश्वर ने की। वचन के साथ स्थिर रहे, कोई मतलब नहीं कि आप कौन हैं। वचन के साथ स्थिर रहे!

189 क्योंकि पतरस ने कहा, "तुम में से हर एक प्राश्चित करें, और अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुमसे है," (प्रतिज्ञा का क्या ही देश है?) "और तुम्हारे बालकों से, और उनके लिए जो दूर–दूर है, जिनको हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा।"

190 आपको इससे आघात नहीं पहुंचे, कृपया नहीं। समझे? आप पिलग्रिम होलीनेस और नाजरिन, आप सीधे पवित्रीकरण में आए, ठीक उस स्थान तक आए, जहां कि आप अंगूरों को देख सकते थे और तब घूम कर, और वापस चले गए। देखिए क्या घटित हुआ? यही बात है, आप कभी भी उस देश में नहीं गए। मुझे एक भी नाजरीन या पिलग्रिम होलीनेस, या किसी को भी आज इस पृष्ठभूमि पर दिखाएं, कि महान चंगाई और चिन्हों के साथ अभियान हो रहे हो और आश्चर्य कर्म किए गए हो। मुझे एक भी दिखाएं। आप मिस्र के साथ हो गए हैं, लहसुन कि हडियो में वापस चले गए हो। आप कादेश बर्नियाँ पर रुक गए हैं। यह ठीक बात है।

191 ध्यान दें, और मैं आपको इब्रानियों के 6वें अध्याय में, आपका स्थान दूं। "क्योंकि उनके लिए अनहोना है जिन्होंने एक बार ज्योति पाई," आप भली प्रकार जानते हैं। यदि आप, अब इसे नहीं जानते। समझे? "और भागी हुए थे, और स्वर्गीय वरदानो का स्वाद चख चुके हैं।"

192 चख चुके है, देखिए। लोग कलीसिया में जाते है, और वहां बैठते और कहते हैं, "आप जानते हो, वे—वे ठीक हो सकता था। वह—वह—वह ठीक हो सकता था। यह फिर से वैसे ही हो सकता था, परंतु मैं तुम्हें बताऊं, लड़के, यह करने के लिए बहुत विश्वास चाहिए।"

193 "स्वर्गीय वरदानो का स्वाद चखा, और वाचा के लहू को 'अपवित्र चीज,' समझा,' जिससे कि आप पवित्र हुए थे।"

194 एक प्रचारक के समान उसकी मां उसे भेजती है। वह कहता है, "मुझे प्रभु का दास होने की बुलाहट है।"

195 "ठीक है। पहली बात जो मुझे करनी है कि मुझे कपड़े धोने हैं, प्रिय, और मैं तुम्हें किसी विद्यालय में भेजने जा रही हूं।" सबसे खराब बात जो उसने की। यह ठीक बात है। वे उसमें से वह सब निकाल देंगे जो परमेश्वर ने उसमें डालने का यत्न किया था। तब, अब आप ध्यान दें।

196 "क्योंकि यदि हम जानबूझ कर, पाप करते हैं सत्य का ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात हम जान बूझकर पाप करते हैं, जानने के बाद। देखिए यह पवित्र वचन में है और यह जानते हैं कि बाईबल कहती है वह कल, आज और सर्वदा, एक सा है। यह देखिए, यह सत्य का ज्ञान है। इसे देखने को, हम घूम जाते हैं और वाचा के लहू को गिनते हैं... "

197 एक मनुष्य कहता है, "ओह, हां, मैं परमेश्वर में मैं विश्वास करता हूं।" ठीक है, आप पहला कदम उठाते हैं।

198 "निश्चय ही, मैं पवित्रीकरण में विश्वास करता हूं।" ठीक है, आप किनारे की रेखा पर है, ठीक यहां से पवित्र आत्मा लेने को तैयार है। परंतु आप उधर देखिए और कहे, "मैं—मैं—मैं इस विषय में नहीं जानता हूं। यदि मुझे इस प्रकार से करना पड़े... नहीं। मैं नहीं जानता। आप जानते हैं लोग उन लोगों को क्या कहते हैं? उह–हुंह, मैं नहीं जानता कि मैं यह कर सकूंगा या नहीं। नहीं, मैं विश्वास करता हूं मैं बस आगे बढ़ूंगा और सम्मलित... ? ... " समझे? समझे?

199 और आप जानते हैं कि क्या घटित होता है? उसने कहा, "उनके लिए यह असंभव है कि उसमें प्रवेश करें।" उन्होंने अपने अनुग्रह के दिन पाप किया। बाईबल ने ऐसा कहा है। मैं जानता हूं कि यह कठोर है, परंतु बाईबल ने कहा, "स्वर्गीय वरदानों का स्वाद चख चुके है, और वाचा के लहू को जाना जिससे कि... "

200 वे कहते हैं, "मैं पवित्रीकरण में विश्वास करता हूं, एक अच्छा, स्वच्छ पवित्र जीवन।"

201 निश्चय ही, परंतु आप, जब आपने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देखा, और बपतिस्मा और बाईबल की दूसरी सारी बातें, और आपने क्या किया? और आपने वाचा के लहू को महत्त्वपूर्ण समझा जिससे आपका पवित्रीकरण हुआ, "पवित्र वस्तु समझा।" मनुष्य संसार में तुझे कौन वहां तक लेकर आया? क्या... ? ... तुम्हें गिरा हुआ पापी होने से किसने बचाया? तुम्हारे जीवन से किसने पाप निकाला, और धूम्रपान करना और पीना, और औरतें और आपके जीवन से ये बातें जो की, वहां नहीं होनी चाहिए थी? इसने क्या किया? वाचा का लहू! तब आप दूसरे देश के अंगूर चखने के लिए बहुत समीप आ गए थे, और मैं सुसमाचार से लजाया, आपके नामधारी से डर गया! परमेश्वर दया करें! जी हां, श्रीमान! "वाचा के लहू को 'अपवित्र वस्तु,' जाना और बदले में कि अनुग्रह के कार्यों को करता। उसके लिए यह अनहोना है कि कभी उस देश में प्रवेश करें।"

202 क्या घटित हुआ? मैं आपसे पूछता हूं। अब, मैं तुलना करने वाला हूं, और कोई भी मनुष्य जो बाईबल जानता है एक तुलना करने वाला है। क्या उन पुरुषों में से कोई प्रतिज्ञा के देश में जा सका? उनमें से एक भी नहीं। यह किसने किया, वहां कौन गया? वे जो पहले गए, वापस आए और कहा, "हम इसे ले सकते हैं, हम पवित्र आत्मा पा सकते हैं क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है! पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा, यदि मैं प्राश्चित कर लेता और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेता,' मुझे पवित्र आत्मा प्राप्त करना चाहिए था, प्रतिज्ञा मुझ से है। मैं यह करना चाह रहा हूं। मेरा, प्रतिज्ञा मेरे लिए है।" क्या आप समझे? "अब प्रतिज्ञा मेरी है। मैं इसे प्राप्त करता हूं, यह मेरा है। निश्चय यही है।" केवल वहीं वे थे।

203 "ओह," आप कहते हैं, "परंतु, भाई ब्रंहम, पुनरुत्थान में!" वे वहां नहीं होंगे। "ओह, वे वहां नहीं होंगे? " नहीं, श्रीमान। यीशु ने कहा।

204 उन्होंने कहा, "और तुम स्वयं को ऐसे ही महान बना रहे हो जैसा मूसा था, आपने 'अब्राहम को देखा।'" और उसने कहा, "और—और—और—और अब्राहम मर गया! क्यों, तू—तू तो पच्चास वर्ष का भी नहीं है, और तू कहता है, कि तू ने अब्राहम को देखा? "

205 उसने कहा, "इसके पहिले कि अब्राहम था, **मैं हूं**।" ओह, प्रभु! वह "**मैं हूं**," सदा उपस्थित, अनंत परमेश्वर। कल नहीं, ना आने वाला कल, "**मैं हूं**।" समझे? सदा उपस्थित परमेश्वर, वह एलोहिम, "**मैं हूं**।" तब उन्होंने उठाए... तब वे उसे मार डालने को थे।

206 उसने कहा, "अच्छा, हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया चालीस वर्षों तक। परमेश्वर ने स्वर्ग से रोटी बरसा कर और उन्हें खिलाया। वे आराधना में गए और वे 40 वर्षों तक अच्छे सदस्य रहे। मेरी बूढ़ी मां इसी कलीसिया में मरी," और इस प्रकार की सारी बातें। "मेरे पूर्वजों ने जंगल में चालीस वर्षों तक मन्ना खाया।"

207 और यीशु ने कहा, "वे सारे मर गए।" *मरने* का अर्थ "अनंत अलगाव।" "वे सारे के सारे मर गए। परंतु मैं तुमसे कहता हूं, कि जीवन की रोटी मैं हूं, जो स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरी। एक मनुष्य इस आत्मा की रोटी को खाता है, उसे अनंत जीवन मिलता है और वह नष्ट नहीं हो सकता। और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठा खड़ा करूंगा।" ओह, भाई, क्या वो अद्भुत नहीं है?

क्या वह अद्भुत नहीं है, अद्भुत, अद्भुत?
क्या यीशु हमारा प्रभु अद्भुत नहीं है?
आंखों ने देखा, कानों ने सुना, जो कि परमेश्वर के
वचन का लिखा हुआ है;
क्या यीशु हमारा प्रभु अद्भुत नहीं है?

208 क्या यह ठीक है? हम उसके विचारों के जांचने वाले आत्मा को अपने मध्य में देखते हैं। हम उसे आश्चर्य कर्म करते देखते हैं और चिन्हों और आश्चर्यकर्मो। हम इसे परमेश्वर के वचन में लिखा हुआ सुनता हूं, आप इसे देखें वहां उसकी पुष्टि हुई है। ओह, प्रभु!

आंखों ने देखा, कानों ने सुना, जो कि परमेश्वर के
वचन में लिखा हुआ है;
क्या यीशु मेरा अद्भुत नहीं है?

209 अगले दो, या तीन मिनटों में यहां पर पानी के बपतिस्मे की सभा होनी है। और अब जो बपतिस्मा लेने जा रहे हैं, महिलाएं *उधर* को चली जाए, और पुरुष *इस* ओर। और अब पुरुष लोग मेरी बाई ओर, *यहां* इस ओर। और महिलाएं *इधर* की ओर। वहां पर बहने कपड़ों के साथ तैयार रहेगी।

और यदि कोई पुरुष या कोई महिला यहां इस प्रातः, जो सहमत है, कि आप परमेश्वर के वचन में विश्वास करते हैं, और आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करता है, कि यदि एक मनुष्य पूर्णतः, अपने सारे पापों से प्रायश्चित करेगा... अब, अभी लोगों ने कुछ नहीं किया है। नहीं, यह केवल आपका विश्वास परमेश्वर में है। और परमेश्वर की बुलाहट, केवल, "फू, फू, फू!" आपको बुला रहा है, अब यह यही कर रहा है, "फू, फू!"

"मेरा कभी भी बपतिस्मा नहीं हुआ।"

"फू, फू!"

"अच्छा, ठीक, यदि मैं केवल आरंभ कर सकूं और भिन्न करूं।"

"फू!" यही, यही वह बात है, आरंभ, जब आप आरंभ कर देते हैं तब—तब आप भिन्न करते हैं। समझे? आपको घूमना है, आरंभ कर दिया, देखा।

आप कहते हैं, "अच्छा, मैं—मैं—मैंने इस प्रकार कभी नहीं देखा।"

210 अच्छा प्रिय भाई, मैं चाहता हूं कि आप मुझे एक भी वचन दिखाएं जहां कोई मनुष्य... मैंने इकतीस वर्षों की सेवा की है सारे संसार में, बिशपो और आदि–आदि के सामने, जहां कि कभी भी कोई एक व्यक्ति ने, कोई एक व्यक्ति ने यीशु मसीह के नाम के सिवाए कोई और तरह से कभी बपतिस्मा लिया है। और प्रत्येक जिसने यीशु के नाम में बपतिस्मा नहीं लिया था, आकर फिर से नाम में बपतिस्मा लिया।

211 परमेश्वर के पास केवल एक नाम था, और उसका नाम यीशु है। वह उसका पुत्र था, उसने पुत्र का नाम लिया। परमेश्वर! अब, यीशु देह एक मनुष्य था। हम यह जानते हैं। वह परमेश्वर का पुत्र था जिस पर कि छाया हुआ था। अब हम एक वाद के समान में विश्वास नहीं करते, लोग जो कहते हैं कि परमेश्वर आपकी ऊँगली के समान है। हम विश्वास करते हैं कि तीन... परमेश्वर के गुण। परमेश्वर के तीन गुण, जिनमें परमेश्वर प्रगट हुआ। परंतु परमेश्वर एक है। समझे? यह ठीक बात है। हम विश्वास नहीं करते... हम एक में—एक में विश्वास करते हैं... मैं इसे इस प्रकार बनाऊं, हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर तीन कार्य स्थलों में कार्य करता है। पृथ्वी में एक समय में एक कार्य स्थल है।

212 आप जानते हैं कि महिलाएं *इस* ओर जाती है, और आप पुरुष लोग *इस* ओर तैयार होने के लिए जाते हैं। और अब वे बपतिस्मे की सभा के लिए तैयार हो रहे हैं।

213 और अब परमेश्वर के तीन कार्य स्थल थे। उसमें से एक पितावाह था, या पिता का धर्म विधान; दूसरा वाला पुत्र वाला कहलाता है; और दूसरा वाला पवित्र आत्मा वाला कहलाया। अब, आज, क्या है आज पिता कौन से धर्म विज्ञान में कार्य कर रहा है? [सभा कहती है, "पवित्र आत्मा।"—सम्पा।] पवित्र आत्मा। बीते दिनों में वह क्या था? ["यीशु।"] यीशु। उसके पहले के दिनों में वह क्या था? ["पिता।"] परंतु वह केवल एक ही परमेश्वर है! क्या यह ठीक बात है? वह पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है, वे तीन, वे तीन कार्य स्थल एक परमेश्वर के। एक परमेश्वर!

214 परंतु, अब *पिता* कोई नाम नहीं है, क्या यह ठीक है? मैं आपसे पूछना चाहता हूं। अब मैं आपको मति 28:19 देना चाहता हूं, जहां यीशु ने कहा, "इसलिए जाओ, और सारे जगत को सिखाओ, उन्हें नाम में बपतिस्मा दो," (एन–ए–एम–ई) "पिता के नाम में... "

215 अब मैं देखना चाहता हूं कि आप वचन को कितना अच्छा जानते हैं। जब मैं पंक्ति से हटूं तो मुझे बताएं। और उसने उनसे कहा, "तुम सारे जगत में जाओ, हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करो। वह जो विश्वास करें और बपतिस्मा ले बचेगा। जो विश्वास ना करें दोषी ठहरेगा। विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे। मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे," क्या यह सब ठीक है? "नई–नई भाषा बोलेंगे, सापों को उठा लेंगे।" अब मैं मत्ती को पढ़ने जा रहा हूं...

216 अब सुनिए। मैं किसी भी इतिहासकार से पूछता हूं। अब यह टेप पर है, यह सारे संसार में जाता है। मैं किसी भी इतिहासकार से पूछता हूं कि मेरे पास आए और पवित्र वचन का कोई भी पाठ लाए, कोई विषय... या नहीं वचन, वचन का कोई विषय या कोई इतिहास, इतिहास का कोई भी पद जिसमें कभी दर्शाया गया हो कि कोई भी प्रोटेस्टेंट, जिसने कभी "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम से बपतिस्मा लिया हो जब तक कैथोलिक कलीसिया ने इसका निसियन सभा में अभिषेक नहीं किया। अब यह टेप पर समस्त संसार में जाता है, सैंतीस विभिन्न भाषाओं में उन्होंने अनुवाद किया है। समुद्र पार का मैं किराया दूंगा। यह ठीक बात है। "पिता, पुत्र और पवित्र

आत्मा" गलत है, कैथोलिक को झूठा हठ मत, और मसीही बपतिस्मा नहीं। ठीक है! लूथर इसे कैथोलिक कलीसिया से लाया, केटेकिजम के साथ, वैसली ने इसे अपनाया और आया। परंतु यह दिन है, परमेश्वर के पुत्रों के प्रगटीकरण का, जब की भेद जो पृथ्वी के रचने से पहले छिपे थे प्रगट हो गए। यह घड़ी है। निश्चय ही।

217 स्मरण रखें, पूरी बाईबल में एक भी व्यक्ति का "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में बपतिस्मा नहीं हुआ। अंतिम चेले की मृत्यु के तीन सौ वर्षों के बाद तक, किसी का भी कभी "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में बपतिस्मा नहीं हुआ। उनके पास... मैंने *प्री–निसियन फादर, द निसियन काउंसिल* दोनों पढ़े है, और वहां से उन्होंने संगठन बनाया जिसे कि "मसीही विश्वव्यापी कलीसिया" कहा और इसमें से संस्था बनाई और सब लोगों पर थोपी, जो कि कैथोलिक कलीसिया थी। *कैथोलिक* शब्द का अर्थ "विश्वव्यापी," है एक विश्वव्यापी मसीही कलिसिया, पूरे संसार भर में, एक कलीसिया समस्त संसार में। और यह मसीहत, उन्होंने इसे लोगों पर थोपा। वहां उन्होंने अपनाया, उन्होंने वीनस को हटाकर मरियम को रख दिया। उन्होंने पौलुस को हटाया... याने जुपीटर को और पौलुस को रखा। यह अब भी पागान है! ठीक है। कैथोलिक कलीसिया वहां से निकली, और पांच सौ वर्षों पश्चात...

218 उनके पास एक नाटक है जो लूइसविले में अब चल रहा है, *बेन हर।* अधिक समय नहीं हुआ उनके पास *टेन कमांडमेंट* था। मेरी इच्छा है कि यदि उन्होंने कभी लिया, यदि वे कर सके, अंधकार युगों के पंद्रह सौ वर्ष। मेरी इच्छा है वे इसे भी दर्शाएंगे। पागान के सताव के पंद्रह सौ वर्ष, जब उन्होंने प्रत्येक के साथ जबरदस्ती की और उन्हें मार डाला, उनका वध किया, उन्हें फांसी दी। दोनों हाथों में एक–एक ओर बैल बांधे, या तो वे उस क्रूस के निशान को चुमें या दोनों ओर से खींचना आरंभ करें। मैंने स्विजरलैंड में, अपना हाथ उन स्थानों पर रखा, जहां वे खड़े हुए और उनकी जुबाने काटी गई और उन्हें जादूगरनी कहा गया और सब कुछ। यह बिल्कुल ठीक बात है। यह ठीक है!

219 और आज वही आत्मा विद्यमान है। यह केवल कानून है जो इसे रोके हुए हैं। प्रतीक्षा करिए जब तक यह स्वतंत्रता प्राप्त ना करें। बाईबल ने ऐसा कहा है। थोड़ी सी प्रतीक्षा करें जब तक वह अपने रंग ना दिखाएं, उसे अवसर मिलता है। आप जल्दी ही इसके लिए वोट दे सकते हैं, क्योंकि मैं

सब जानता हूं। समझे? यह, यह आएगा। इसे बाहर रखने का कोई उपाय नहीं है। इसे आना ही है। यह ठीक बात है। इसे आना है, यह आ रहा है। इसलिए जब यह करता है, आप केवल ध्यान दें। परंतु, भाई, आप इस बात को जानना चाहते हैं, मैं जानता हूं कि मैंने किसका विश्वास किया है। हाल्लेलुय्या! सीधा आगे बढ़ रहा हूं। देखिए। यही है।

220 एक समय है जब—जब लेखक जब मैंने लम–... लम्सा—लम्सा बाईबल के लेखक को बताया, जब उसने देखा और परमेश्वर के उस प्राचीन चिन्ह को देखा, ठीक वही ठीक वही, उसमें तीन छोटे बिंदु, मैंने कहा "ये क्या है? "

उसने कहा, "यह परमेश्वर तीन गुणों में है।"

मैंने कहा, "जैसे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा? "

उसने मेरी ओर देखा। उसने कहा, "क्या आप यह विश्वास करते हैं? "

और मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

221 उसने कहा, "मैंने उस रात्रि विचारों को परखना देखा, मैंने सोचा कि आप प्रभु के भविष्यवक्ता है।" कहां, "परमेश्वर आपके ह्रदय को आशीष दे।" अपने हाथों से मुझे घेर लिया, कहा, "अब मैं जानता हूं कि यही है।" उसने कहा, "यह अमेरिकन लोग यह भी नहीं जानते कि क्या।" कहा, "वे वह यहां तक कि कुछ भी नहीं जानते।" कहा, "वे एक पूर्व की पुस्तक को लेकर और इसमें से एक पश्चिमी पुस्तक बना रहे हैं। वे अपनी बाईबल भी नहीं जानते।" उसने कहा, "स्वर्ग के नीचे और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, कोई दूसरा नाम नहीं, क्योंकि किसी का भी सदा यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ है। ऐसी कोई चीज नहीं है, कि तीन व्यक्ति एक परमेश्वर में।" और यही है भाई लम्सा, डॉक्टर लम्सा, लम्सा बाईबल के अनुवादक, जो कि आईजनआवर के घनिष्ठ मित्र है और संसार के महान राजनीतिज्ञ के, और, बहुत कुछ, अपने हाथों से मुझे घेर लिया, कहा, "किसी दिन वे इसके लिए आपको गोली मार देंगे। परंतु, " कहा, "स्मरण रखें, वे सारे लोग इसी कारण मारे गए।"

222 मैं उसके समान होना चाहूंगा जब बूढ़ा पतरस जेल में था। वहां एक छोटा लड़का था और वह पूर्णतः अधीर था। और उसने कहा, "ओह, क्या मामला है? "

कहा, "आप जानते हैं कि आप कार्यवाही की जाने वाली है? "

पतरस ने कहा, "हां।"

उसने कहा, "अरे, आपको आज मार डालना तय है।"

उसने कहा, "हां।"

उसने कहा, "अरे, वे लोग—वे लोग... क्या आप भयभीत नहीं है? "

उसने कहा, "नहीं।"

उसने कहा, "आप उनमें से एक होना चाहिए जो मसीही कहलाते हैं।"

उसने कहा, "हां।"

कहा, "क्या हुआ? "

223 और उसने उसे बताया, वह बैठ गया और उसे कहानी बताई। और जैसे कि वह आगे गया, नीचे आया, कहा, "और मैं आज की प्रातः स्वतंत्र हो सकता हूं। मैं जा सकता था और उनके नामधारी में सम्मिलित हो जाता और जीवित रहता, देखा। मैं स्वतंत्र हो सकता था। परंतु मैं नगर के फाटक की ओर चल दिया, और मैंने एक को भीतर आते हुए देखा। मैं जानता हूं कि वह कौन था। मैंने कहा, 'प्रभु, आप कहां जा रहे हैं? ' उसने कहा, 'मैं फिर से क्रूस पर चढ़ने जा रहा हूं।'" कहा, "मैं वापस आने जा हूं।"

224 तब ही उसने कहा, "पतरस किसका नाम है? "

कहा, "मैं यहां हूं!"

कहा, "हम आपके लिए तैयार हैं।"

कहा, "मुझे आपके लिए रुका हुआ हूं।" सीधे बाहर चला गया।

225 उस लड़के ने उसे कंधे पर छुआ और कहा, "एक मिनट रुको, शिमौन; मैं भी परमेश्वर को स्वीकार करता हूं! और अब मैं नहीं डरता; अगला मेरा होने दो।" यह सही है। हाल्लेलुय्या!

रहता है... यह लहू के साथ टपक रहा है, हाँ, यह लहू
के साथ टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक
रहा है,
चेलो का लहू जो सच्चाई के लिए मर गए,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपकता
रहता है।

इस पवित्र आत्मा की योजना के लिए मरने वाला पहला व्यक्ति,
यूहन्ना वो बप्तिस्मा देने वाला था, लेकिन वह एक मनुष्य की तरह मरा;
उसके बाद प्रभु यीशु आया, उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया,
उसने प्रचार किया कि वो आत्मा मनुष्यों को पाप से बचाएगा।

वहां पतरस पौलुस, और यूहन्ना वो दिव्य है,
उन्होंने अपने जीवन को दे दिया जिससे कि यह सुसमाचार चमक सके;
उन्होंने पुराने भविष्यवक्ताओं के समान, अपने लहू को मिला दिया,
तो परमेश्वर का सच्चा वचन ईमानदारी से बताया जा सका।

वेदी के नीचे वे प्राण हैं, रो रहे हैं, "कितनी देर? "
प्रभु के लिए जिन्होंने गलत किया है उन्हें दंडित करने के लिए; (सुनना!)
लेकिन वहाँ और अधिक होने जा रहा है जो उनके जीवन का लहू देंगे
इस पवित्र आत्मा के सुसमाचार के लिए और इसकी क्रिमसन बाढ़।

ये लहू के साथ टपक रहा है, हां, ये लहू से टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार यह टपक रहा है... लहू से,
चेलो का लहू जो सच्चाई के लिए मर गए,
पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है।

226 हमारे जाने से पहले बस एक वचन को लेंगे:

... और उन्होंने *पतरस से कहा और...* उनमें *से बाकी, मनुष्यों और भाइयों, हम बचने के लिए क्या करें?*

... पतरस ने उन से कहा, तुम में से हर एक पश्चाताप करे, और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो अपने पापों *की क्षमा के लिए, और* आप *पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।*

क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए और तुम्हारी सन्तान के लिए है, और उनके लिए *जो बहुत दूर है, यहाँ तक जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।*

227 प्रभु आपको आशीष दे। जब हम बीच से हटते हैं, तो आप बपतिस्मा को देख सकते हैं जब हम... ? ...

लेपालकपन *3* HIN60-0522M

(Adoption [3])

लेपालकपन श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 22 मई, 1960 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org